visit us
www.rajasthandarshanpatrika.com
rajasthandarshanpatrika
rajasthandarshannews
rajasthandarshan
rajasthan darshannews channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

RNI. NO.- RAJHIN2022/ 82942

राजस्थान दर्शन

डाक पंजीयन संख्याः jaipur city/005/2023–25

नेपाल में जलप्रलय से तबाही, यूपी-बिहार में अलर्ट

भोटेकोशी के तेज बहाव से भारी नुकसान; 400 से ज्यादा मौतें, 1500 से ज्यादा लापता, 290 भारतीयों से संपर्क नहीं

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली/काठमांडू। नेपाल में भोटेकोशी नदी में आई भीषण फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचा दी है। रसुवा क्षेत्र में अचानक आए तेज जलप्रवाह और बाढ़ के बाद अब तक 362 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार करीब 290 भारतीय नागरिकों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पा रहा है, जबकि कई भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज बहे

बाढ़ के तेज बहाव ने नेपाल के कई इलाकों में सड़क और संपर्क व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज बह गए हैं। वहीं 13 जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। कई वाहन तेज बहाव की चपेट में आए हैं। रसुवा, धादिंग, नुवाकोट और चितवन समेत कई जिलों में सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं।

290 भारतीयों से संपर्क नहीं

नेपाल की त्रासदी के बीच भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार लगातार नेपाल के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक विभिन्न समूहों में 288 भारतीय नागरिकों की जानकारी जुटाई जा रही है, जबकि अन्य अपडेट में करीब 290 भारतीयों से संपर्क नहीं होने की बात सामने आई है। राहत अभियान में अब तक 84 भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने की जानकारी है। इनमें त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में फंसे कर्मचारी और तमिलनाडु के कैलाश मानसरोवर यात्री शामिल हैं। नेपाल के रसुवा जिले में संपर्क से बाहर विदेशी पर्यटकों में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक बताई गई है। नेपाल पर्यटन बोर्ड के शुरुआती आंकड़ों में 178 भारतीय पर्यटकों के संपर्क में नहीं होने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि प्रशासन लगातार आंकड़ों का सत्यापन कर रहा है।

महाराष्ट्र के 114 पर्यटक फंसे

नेपाल में महाराष्ट्र के कम से कम 114 पर्यटकों के फंसे होने की आशंका है। महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार इनमें 53 पर्यटकों के सागा-मानसरोवर क्षेत्र में सुरक्षित होने की पुष्टि हो चुकी है। राज्य सरकार नेपाल की ट्रैवल एजेंसियों और नई दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय के इमरजेंसी कंट्रोल रूम के संपर्क में है।

नदी रुकने से बनी अस्थायी झील, फिर बाढ़ का खतरा

नेपाल सरकार ने भोटेकोशी और लेंडे नदी क्षेत्र में एक और बड़े खतरे की चेतावनी जारी की है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण के अनुसार रसुवागढ़ी सीमा से करीब 18 किलोमीटर ऊपर नदी का बहाव रुक गया है। इससे करीब 0.11 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अस्थायी झील बनने की बात सामने आई है। झील का प्राकृतिक बांध टूटने पर निचले इलाकों में अचानक भीषण बाढ़ आ सकती है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों, यात्रियों और राहतकर्मियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

यूपी-बिहार में भी प्रशासन अलर्ट

नेपाल में जलप्रलय के बाद भारत के सीमावर्ती राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में प्रशासन सतर्क हो गया है। गंडक, नारायणी और कोसी नदियों के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर समेत सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बिहार के छह जिलों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। हृष्ठऱ्पत्रिका के मुताबिक नेपाल की बाढ़ का यूपी-बिहार के सीमावर्ती इलाकों में फिलहाल कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है। बिहार में हृष्ठऱ्पत्रिका की 9 टीमें और यूपी में 11 टीमें तैनात हैं, जबकि चार अतिरिक्त टीमें गाजियाबाद में स्टैंडबाय पर रखी गई हैं। बिहार जल संसाधन विभाग के अनुसार गंडक नदी का पानी 26 अगस्त की रात करीब 11 बजे 1.50 लाख क्यूसेक तक पहुंचा था। इसके बाद जलस्तर में कमी आई, हालांकि देवघाट क्षेत्र में बारिश के कारण फिर मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल किसी भी तटबंध को खतरा नहीं है और सभी बांध व तटबंध सुरक्षित हैं। अधिकारियों को हर घंटे जलस्तर की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने नेपाल को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात कर इस भीषण आपदा पर संवेदना जताई और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत के लोग नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़े हैं। वहीं नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नुवाकोट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों, चिकित्सकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और राहत टीमों से बातचीत की। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन राज्य की प्रशासनिक और सुरक्षा मशीनरी पूरी क्षमता के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है।

हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही

नेपाल में राहत अभियान को तेज कर दिया गया है। सुबह से हेलीकॉप्टरों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, जनरेटर, मोबाइल टावर, चिकित्सा उपकरण, टेंट और मशीनें भेजी जा रही हैं। नेपाली सेना ने रसुवा के टिमुरे से 116 लोगों को सुरक्षित निकाला, जिनमें 21 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। एक सुरंग में फंसे सात नेपाली नागरिकों को भी बाहर निकाल लिया गया है।

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस का बड़ा आरोप, डोटासरा बोले- कार्यकर्ताओं के परिवारों को डराया जा रहा

जयपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नगरीय निकायों के चुनाव में राज्य सरकार और सत्तारूढ़ दल पर प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से अधिकारियों पर दबाव बनाकर मनपसंद उम्मीदवारों के आवेदन पत्र मांगे जा रहे हैं। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर कहा कि सत्ता कभी स्थायी नहीं रहती और वक्त आने पर हर अनुचित कार्य का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि राज्य में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के अधिकारियों पर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है और कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कार्यकर्ताओं के परिवारों को भी डराने की कोशिश हो रही है। इस प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। पार्टी ने राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव समन्वयकों की नियुक्ति की है। यह समन्वयक जमीनी स्तर का फीडबैक जुटाने के साथ-साथ स्थानीय कार्यकर्ताओं और दावेदारों के बीच बेहतर समन्वय कर रहे हैं।

एलओसी पर संदिग्ध घुसपैठ की कोशिशः राजोरी के नौशेरा सेक्टर के पास दिखी गतिविधि, सेना ने की फायरिंग; निगरानी तेज

राजोरी

राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर के एलओसी स्टे रूमीधारा क्षेत्र में वीरवार देर वार शाम नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद फायरिंग की घटना सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब 8:30 और 9 बजे के बीच एलओसी से स्टे इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि देखी। संदिग्ध के पास बैकपैक होने की बात सामने आई है। उसकी गतिविधि फेंस और एलओसी के बीच देखी गई। संदिग्ध गतिविधि पर नजर पड़ते ही भारतीय जवानों ने फायरिंग की, जिसके जवाब में संदिग्ध व्यक्ति की ओर से भी दो राउंड फायर किए जाने की सूचना है। इसके आसपास की फेंस पोस्ट पर तैनात जवानों को अलर्ट कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घटना का स्थान भारतीय क्षेत्र में फेंस से करीब दो किलोमीटर अंदर बताया जा रहा है। इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधि को लेकर निगरानी जारी है। राजोरी के नौशेरा सेक्टर में इससे पहले भी एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधियों के बाद सुरक्षा बलों द्वारा घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम किया गया है। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

परीक्षा कलेण्डर से बम्पर भर्तियों तक, राज्य सरकार ने किया युवाओं की हर अपेक्षा को पूराः भजनलाल शर्मा

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से इस कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है और अब गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हो रहा है।उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस उनके अद्वितीय योगदान और खेल के प्रति समर्पण को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश को पदक तभी मिलते हैं, जब देश में खेल संस्कृति का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में

आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है तथा खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित खेलो इंडिया योजना में 36 हजार करोड़ रुपये के व्यय सेखेलो को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चैथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किया गया माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक भागीदारी के अवसर प्रदान कर उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागी बना रहा है। माय भारत केवल एक पोर्टल नहीं, बल्कि अमृत पीढ़ी के सामर्थ्य को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भी प्रदेश के युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने के लिए 'सुयोग' प्लेटफॉर्म शुरू किया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के हर गांव और हर वार्ड के युवा को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं, आर्थिक सुरक्षा और सम्मान के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। राज्य में 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित किए गए हैं तथा सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 186 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। सात शहरों में आयोजित इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुंधति चैधरी और कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम शुरू की गई है।उन्होंने कहा कि विभागीय अकादमियों के खिलाड़ियों का मैस भत्ता 2 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर बजट में युवाओं की इच्छाओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए उन्हें पूरा कर रही है। हमारी सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के लिए कैलेण्डर जारी किया है।

परिसीमन पर विशेष सत्र की अटकलों के बीच खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक की मांग की

नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र को लेकर अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन के प्रस्तावों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। खरगे ने कहा है कि सरकार परिसीमन को लेकर जो भी प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है, उन्हें संसद में पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए, ताकि वे प्रस्तावों का विस्तार से अध्ययन कर सकें। 27 अगस्त को लिखे पत्र में खरगे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को भी पत्र लिखकर परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने यह भी मांग की थी कि किसी भी प्रस्ताव को संसद के किसी विशेष सत्र में लाने से पहले राजनीतिक दलों को उसे समझने और उस पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खरगे का यह पत्र ऐसे समय आया है जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने एक इंटरव्यू में संकेत दिया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। खरगे ने कहा कि इससे मानसून सत्र को औपचारिक रूप से स्थगित किए जाने में हो रही देरी की वजह भी स्पष्ट होती है। हालांकि, उन्होंने प्रधानमंत्री से विशेष सत्र बुलाने की स्थिति में परिसीमन के मुद्दे पर पहले व्यापक राजनीतिक चर्चा

कराने की मांग की है। खरगे ने पत्र में कांग्रेस के रुख को स्पष्ट करते हुए परिसीमन को लेकर तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली, लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को अगले 25 वर्षों तक बरकरार रखा जाए। दूसरी, लोकसभा में राज्यों की मौजूदा सीटों की हिस्सेदारी को भी अगले 25 वर्षों तक कायम रखा जाए। यानी परिसीमन के बाद राज्यों की मौजूदा ताकत में बदलाव न किया जाए। तीसरी, महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। खरगे ने कहा कि परिसीमन देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इसके दूरगामी राजनीतिक एवं संवैधानिक प्रभाव होंगे। इसलिए सरकार को राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए। पत्र के अंत में खरगे ने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे परिसीमन के प्रस्तावों पर पहले सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्होंने सरकार को अप्रैल 2026 में संसद में हुए घटनाक्रम की याद दिलाते हुए कहा कि इस बार इस मुद्दे पर जल्दबाजी में कदम उठाने या विपक्ष को दरकिनार कर आगे बढ़ने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

जलजीवन मिशन में ठेकेदारों को बिना जांच 122 करोड़ भुगतानः कैग रिपोर्ट में खुलासा

जयपुर

राजस्थान में जल जीवन मिशन में एक और फर्जीवाड़ा सामने आया है। कैग की रिपोर्ट के अनुसार- 26 क्षेत्रीय जल आपर्ति परियोजनाओं में थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और सर्टिफिकेशन के प्रावधान का पालन किए बिना ही ठेकेदारों को दिसंबर 2024 तक 122.31 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया। फर्जी बिलों से 7.7 करोड़ का भुगतान भी किया गया। ऑडिट में यह भी सामने आया कि चयनित कामों में मनगढ़ंत और फर्जी बिल बनाए गए। दूसरे ठेकेदारों के बिलों के आधार पर 7.7 करोड़ के अनियमित भुगतान किए गए। जेजेएम में करौली में निविदा खोलने से पहले ही पाइप खरीद लिए गए। वहीं बाद में एनओसी जारी होने से पहले ही उन्हें सोजत सिटी को ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे पूरी टेंडर प्रक्रिया शक के दायरे में है। कैग रिपोर्ट के अनुसार- जेजेएम की गाइडलाइन के अनुसार सहायक गतिविधियों और प्रचार-प्रसार में प्रोजेक्ट के फंड का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे। जून 2024 में रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि साल 2022-23 के दौरान अलग-अलग जल आपूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला रखने के आयोजन पर 3.28 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। कैग के मुताबिक- यह खर्च गलत था और जेजेएम गाइडलाइन का साफ उल्लंघन था। राज्य सरकार ने नवंबर 2025 में इसके जवाब में तर्क दिया कि शिलान्यास समारोह पर खर्च वित्त विभाग

की मंजूरी लेकर किया गया था। कैग ने सरकार के इस जवाब को सिरे से खारिज करते हुए इसे जेजेएम की गाइडलाइन का उल्लंघन बताते हुए ऑडिट पैरा बनाकर आपत्ति जताई है। पानी की क्वालिटी जांच-मॉनिटरिंग पर 91.69' पैसा खर्च नहीं साल 2019 से 20 जनवरी 2025 तक पानी की क्वालिटी की निगरानी और सर्वे एक्टिविटीज की गई। इसमें 486.23 करोड़ के बजट में से केवल 40.39 करोड़ रुपए ही खर्च किए, जबकि 445.84 करोड़ रुपए बिना खर्च पड़े रहे। इस काम में केवल 8.31' ही खर्च किए। कुल बजट के 91.69' रुपए बिना खर्च पड़े रहे। कैग की रिपोर्ट के अनुसार- जलदाय विभाग की लापरवाही के कारण टेंडर रद्द हुए। इस वजह से सितंबर 2024 तक कोई काम नहीं हुआ। विभाग की लापरवाही के कारण बारां, झालावाड़ और कोटा जिले के 14 गांवों के 1,52,437 ग्रामीण परिवार 3 साल से ज्यादा समय तक जेजेएम के पानी से वंचित रहे।

गुरुदेव के जन्मोत्सव पर अन्नदान का आयोजन

राजस्थान दर्शन

आचार्य आनंदऋषि, आचार्य शुभचंद्र म., मरुधर केसरी गुरुदेव मिश्रीमल एवं रूपमुनि की 97वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री जैन संघ कोडंबाक्कम वड़पलनी के तत्वावधान में गुरुवार को जैन भवन के प्रांगण में समस्त पदाधिकारीगण एवं गुरुभक्तों द्वारा अन्नदान किया गया।

प्रेरणा जायसवाल के नेतृत्व में निकली प्रथम विशाल कांवड़ यात्रा

शिवालय में जलाभिषेक के साथ हुआ समापन

राजस्थान दर्शन

कोटा। राजकीय कला कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रेरणा जायसवाल के नेतृत्व में टीम प्रेरणा जायसवाल की ओर से बुधवार को प्रथम विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री, स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं क्षेत्रवासी शामिल हुए। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ महावीर नगर विस्तार योजना सेक्टर-2 स्थित अखंड वीर व्यायामशाला के ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से हुआ। यहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कांवड़ यात्रियों ने भगवान शिव का जयघोष करते हुए यात्रा प्रारंभ की। डीजे की भक्तिमय धुनों के बीच कांवड़िये नाचते-गाते और हर-हर महादेव के जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इससे पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण माहौल बना रहा। यात्रा केशवपुरा होते हुए शिव शक्ति धर्मशाला के पीछे स्थित बावड़ी वाले बाबा के स्थान पर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात कांवड़ यात्रा पुनः रवाना हुई और केशवपुरा सेक्टर-7, महावीर नगर विस्तार योजना सेक्टर-1 एवं सेक्टर-2 होते हुए वापस ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। मंदिर पहुंचने पर कांवड़ यात्रियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के साथ प्रथम विशाल कांवड़ यात्रा का विधिवत समापन हुआ।

राज्य स्तरीय एक दिवसीय क्षमता संवर्धन ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत निदेशालय साक्षरता एवं सतत शिक्षा, जयपुर द्वारा आयोजित राज्य के जिला साक्षरता अधिकारियों एवं मुख्य संदर्भ व्यक्तियों के राज्य स्तरीय एक दिवसीय क्षमता संवर्धन ऑनलाइन प्रशिक्षण में नागौर और डीडवाना-कुचामन जिले के लिए मुख्य सन्दर्भ व्यक्ति की हैसियत से कुचामन के सेवानिवृत्त ब्लॉक साक्षरता समन्वयक चम्पालाल कुमावत व लाडनूँ ब्लॉक के वरिष्ठ अध्यापक जीवनराम बगड़िया ने भाग लिया। गौरतलब है कि कुमावत का मुख्य सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में लगातार चौथी बार चयन हुआ है और वे सेवानिवृत्ति के बाद भी निस्वार्थ भाव से पूर्ण सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण में साक्षरता निदेशालय, एनसीईआरटी एवं एनआईसी नई दिल्ली और आरएससीईआरटी उदयपुर के उच्च अधिकारियों के समक्ष कुमावत ने उल्लास पोर्टल व एप से संबंधित व्यावहारिक समस्याएं रखी जिनके समाधान का भरोसा दिलाया।कुमावत व बगड़िया नागौर और डीडवाना-कुचामन जिले के ब्लॉक स्तरीय सन्दर्भ व्यक्तियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देंगे। इसी क्रम में ब्लॉक सन्दर्भ व्यक्ति ब्लॉक स्तर पर साक्षरता शिक्षकों, सर्वेयर व स्वयंसेवी शिक्षकों को ऑफ़लाइन प्रशिक्षण देंगे।इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संभागियों को उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पाँच आयाम- बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल विकास व सतत शिक्षा, बुनियादी साक्षरता परीक्षा, उल्लास एप पर सर्वे ऑनलाइन, एनआईएलपी पोर्टल सम्बन्धी समस्याएँ, ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षण सामग्री आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गौशाला बीड़ में मधुसूदन की स्मृति में निर्मित सभागार का हुआ लोकार्पण

राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। कुचामन गौशाला बीड़ में स्व मधुसूदन बिड़ला की स्मृति में बिड़ला परिवार द्वारा निर्मित कार्यालय एवं सभागार तथा जामनगर निवासी पुष्पा देवी तोतला एवं सांभर निवासी लीला कालानी के सौजन्य से आरओ प्लांट सहित लगवाए गए वाटर कूलर का लोकार्पण हरिमोहन बिड़ला, गौशाला अध्यक्ष एवं मधुसूदन के पिता नंदकिशोर बिड़ला, मंजू बिड़ला, श्री निधि एवं प्रिया बिड़ला ने गौ पूजन के साथ किया। इस मौके पर नंदकिशोर बिड़ला ने कहा गौशाला में सेवा कार्य करने का अवसर ईश्वर की विशेष कृपा से प्राप्त होता है। यहां पर गौमाता के रूप में 33 करोड़ देवी देवताओं का निवास रहता है। उपाध्यक्ष मोहनप्रकाश मालपानी, सचिव किशोर सेवदा, कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद बुड़सुवाला, श्यामसुंदर मंत्री, श्यामसुंदर सैनी, श्यामसुंदर लोहिया, शिवकुमार अग्रवाल, अशोक काला, राम काबरा, संपत सोमानी, मनोहर पारीक, नरसी बुड़सुवाला, सुनील माथुर, सुरेश झंवर, पवन मिठड़ीवाला, भरत सिंह, सुशील काबरा, मुरलीधर गोयल, रामकिशन माली, रंगनाथ काबरा, लक्ष्मीनारायण असावा, अशोक मोर, टीकमचंद टेलर, प्रवीण सोनी, नरेन्द्र पहाड़ीया, मुकेश लाहोटी, अनिल काला, ललित काबरा, सुरेश बंसल, सूरज तोषनीवाल, बजरंग सिंह राजपुरोहित, रवि काबरा, मुरलीधर तोषनीवाल, राधेश्याम झंवर, परमानंद अग्रवाल, मनोज तोषनीवाल, राजकुमार अग्रवाल आदि गौशाला सदस्यों ने बिड़ला परिवार का अभिनंदन किया एवं बिड़ला परिवार द्वारा किये गए सेवा कार्य को अनुकरणीय बताया।गौरतलब है कि गौशाला बीड़ में सभागार की विशेष आवश्यकता थी।

मानव जीवन की सार्थकता, संस्कार और महापुरुषों के आदर्शों का संदेशः उपप्रवर्तक श्रुतमुनि

राजस्थान दर्शन

श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, मईलापुर में आज का दिन अत्यंत पावन, प्रेरणादायी एवं श्रद्धामय रहा। मरुधर केसरी, श्रमण सूर्य, गुरुदेव मिश्रीमल म.सा. की 136वीं जन्म जयंती एवं लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान रूपमुनि म.सा. की 97वीं जन्म जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर गुरुदेव श्रुतमुनि ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में दोनों महान संतों के तप, त्याग, संयम, ज्ञान, जीवदया, सेवा एवं धर्मप्रभावना से परिपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल जन्मोत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा है। गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक बनता है, जब उसके विचार, व्यवहार और कर्मों से परिवार, समाज एवं संसार को प्रेरणा प्राप्त हो। सच्चा महान व्यक्ति वही है, जो केवल अपने स्वार्थ और हित तक सीमित न रहकर जनहित, समाजहित, जीवदया और धर्महित के कार्यों में अपना जीवन समर्पित करता है। मानव के विभिन्न प्रकारों, उसके स्वभाव, संस्कार एवं संगति का उल्लेख करते हुए गुरुदेव ने समझाया कि जीवन की दिशा बाहरी परिस्थितियों से अधिक व्यक्ति के संस्कारों और चिंतन से निर्धारित होती है। जिस प्रकार एक विशाल वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहकर भी दूसरों को छाया, फल, फूल, सुगंध और शीतलता प्रदान करता है, उसी प्रकार श्रेष्ठ मानव वह है, जो स्वयं कठिनाइयों का सामना करते हुए भी दूसरों के जीवन में सुख, सहारा और प्रेरणा का कारण बनता है। गुरुदेव ने विशेष रूप से पारिवारिक संस्कारों की महत्ता बताते हुए कहा कि केवल एक साथ रहना ही परिवार नहीं है, बल्कि प्रेम, विनम्रता, सहनशीलता और परस्पर सम्मान के साथ संबंधों को निभाना ही सच्चा पारिवारिक जीवन है। छोटों के प्रति स्नेह, बड़ों के प्रति आदर तथा पड़ोसियों और समाज के प्रति सद्भाव—यही जीवन के वास्तविक संस्कार हैं। वर्तमान समय पर चिंतन कराते हुए गुरुदेव ने कहा कि आज भौतिक साधनों और सुविधाओं की वृद्धि तो हो रही है, किंतु जीवन में धर्म, संस्कार, मानवता और आत्मचिंतन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। माता-पिता का कर्तव्य केवल बच्चों को शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें धर्म, सेवा, विनय, सदाचार और करुणा के संस्कारों से भी समृद्ध करना है। दोनों महान संतों का जीवन आज भी समाज के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। मरुधर केसरी गुरुदेव मिश्रीमल म.सा. एवं अहिंसा दिवाकर, प्रज्ञा पुरुष पूज्य रूपमुनि म.सा. ने अपने तप, त्याग, ज्ञान, जीवदया और लोककल्याणकारी कार्यों के माध्यम से असंख्य श्रद्धालुओं के जीवन को धर्ममार्ग की दिशा प्रदान की। उनके जीवन का संदेश है कि सच्ची महानता पद, प्रतिष्ठा अथवा संपत्ति में नहीं, बल्कि तप, त्याग, करुणा, सेवा और मानवता में निहित है।आज के इस पावन कार्यक्रम का लाभ स्वर्गीय मेताबाई एवं विशनलाल कटारिया तथा महावीरचन्द कटारिया के दिव्य आशीर्वाद से एवं निर्मलाबाई कटारिया की सप्रेरणा से राजेश, राकेश, दिनेश, करण, विनय एवं समस्त कटारिया परिवार, ट्रिपलीकेन द्वारा लिया गया।इस धर्ममय आयोजन में रेडहिल्स, टी. नगर सहित चेन्नई नगर के विभिन्न क्षेत्रों एवं बाजारों से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुए और दोनों महान महापुरुषों की जन्म जयंती के अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सहभागी बने। इस अवसर पर श्री संघ के मंत्री विमलचंद खाबिया सहित संघ के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

आनन्द राठी ग्रुप के संस्थापक का ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ में हुआ अभिनंदन

राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। भारत के प्रमुख वित्तीय विशेषज्ञ और आनन्द राठी ग्रुप के संस्थापक एवं ग्रुप चेयरमैन एवं साथ ही भारत के सबसे भरोसेमंद निवेश गुरु की पहचान रखने वाले भारतीय संस्कृति के संवाहक एवं सरलता सादगी की प्रतिमूर्ति आनन्द राठी के 81वे जन्मवर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सहस्त्र चन्द्र दर्शन महोत्सव पर राष्ट्र संत गोविन्द देव गिरि महाराज के सानिध्य में आचार्य गण ने पूजन कराया । इस अवसर पर इन्टरनेशनल वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर मंत्री ने पहले राष्ट्र संत गोविन्ददेव गिरी महाराज का शाल एवं तिरंगा साफा पहनाकर सम्मान किया और बाद में आनन्द राठी का शाल, दुपट्टा, साफा अभिनंदन पत्र एवं भारतीय ध्वज प्रदान कर अभिनंदन किया । साथ ही ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ की ओर से सभी ट्रस्टियों ने, अ. भा. माहेश्वरी सेवा सदन की और से अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने, उधोगपति रामअवतार जाजू, सेवानिवृत्त आईएएस श्रीकांत बाल्दी एवं विनोद अजमेरा, ज्ञान मंदिर के कृष्णचन्द्र टवाणी, सुरेश राठी, रमाकांत बाल्दी, आनन्द राठी के व्यावसायिक मित्रों, रिश्तेदारों, परिजनों ने स्वागत अभिनंदन कर दिर्घायू जीवन की कामना की। उनके परिचय में एक विडियो दिखाया और जानकारी में संक्षिप्त में बताया गया कि आनंद राठी 1946 में जोधपुर, राजस्थान मे साधारण माहेश्वरी परिवार में जन्मे उन्होंने स्व-अध्ययन से 20 वर्ष की आयु 1966 में सी ए परीक्षा में ऑल इंडिया प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सीए के बाद डीसीएम दिल्ली में 5 वर्ष और स्वदेशी पॉलीटेक्स में 2 वर्ष काम किया। उसके पश्चात 1974 में आदित्य बिड़ला समूह में जुड़े और 2 दशकों तक रहे। इंडियन रेयॉन के सबसे युवा प्रेसिडेंट बने। बिरला व्हाइट सीमेंट फैक्ट्री (खारिया खंगार, पीपाड़) की स्थापना, बिरला ग्लोबल फाइनेंस व बिरला म्यूचुअल फंड की शुरुआत करने में मुख्य भूमिका निभाई । 1994 में 47 वर्ष की आयु में नौकरी छोड़कर आनन्द राठी फाइनेंशियल सर्विसेज की स्थापना की। ग्रुप 350 शहरों में दुबई सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और 2500 कर्मचारियों के साथ देश की अग्रणी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी है और अप्रैल 1999 से 2001 तक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई के अध्यक्ष रहे। अपने कार्यकाल में राठी ने बीएसई ऑनलाइन ट्रेडिंग सिस्टम का विस्तार, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज और निगरानी प्रणाली की स्थापना की। समाजसेवा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज में एवं अन्य परोपकारी संस्थाओं की परियोजनाओं में सदैव अग्रणी रहते हैं साथ ही ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ 125 विद्यार्थी यजुर्वेद की अध्ययन स्थली के अध्यक्ष हैं।

रोटरी क्लब पाद्मिनी ने बालिका गृह एवं नारी निकेतन में आयोजित किया कुकिंग प्रशिक्षण

मेहंदी प्रतियोगिता और राखी उत्सव

राजस्थान दर्शन

कोटा। रोटरी क्लब पाद्मिनी, कोटा की ओर से 'एजुकेट टू एम्पावर वीक' के अंतर्गत बालिका गृह एवं नारी निकेतन, नांता में बालिकाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुकिंग एवं बेकिंग प्रशिक्षण के साथ रक्षाबंधन पर्व की खुशियां भी उत्साहपूर्वक मनाई गईं। अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनमें आत्मविश्वास और दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक कौशल विकसित करना था। रिचा अग्रवाल ने बालिकाओं को घर में उपलब्ध सामान्य सामग्री एवं रसोई के साधारण बर्तनों की सहायता से सरल कुकिंग और बेकिंग का प्रशिक्षण दिया। रक्षाबंधन के उल्लास को विशेष रूप से केंद्र में रखते हुए बालिकाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। बालिकाओं ने उत्साह और रचनात्मकता के साथ सुंदर एवं आकर्षक मेहंदी डिजाइन बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली तीन विजेताओं को पुरस्कार मंजू यादव ने दिये राखी के पावन पर्व पर सभी बालिकाओं और बच्चों के बीच मिठाइयां वितरित कर खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम में रोटरी क्लब पाद्मिनी की अध्यक्ष दीप्ति गुप्ता,सरोज बंसल ,रिचा अग्रवाल, मंजू यादव, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने समझाया नेत्रदान और नेत्र स्वास्थ्य का महत्व, विद्यार्थियों ने लिया जागरूकता फैलाने का संकल्प

राजस्थान दर्शन

कोटा। नेत्रदान को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने और नई पीढ़ी को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, विज्ञाननगर में गुरुवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को नेत्रदान के महत्व, कॉर्नियल अंधत्व और आंखों की देखभाल के बारे में जानकारी दी। डॉ. के. के. कंजोलिया ने कहा कि नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कॉर्नियल अंधत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान जरूरतमंद लोगों को दृष्टि प्राप्त करने में सहायक हो सकता है। वरिष्ठ नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. सुरेश के. पाण्डेय ने नेत्र प्रतिरूप के माध्यम से विद्यार्थियों को आंख की संरचना और कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने कॉर्निया, आइरिस, पुतली, लेंस, रेटिना और दृष्टि तंत्रिका की भूमिका को सरल भाषा में बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नेत्रदान, कॉर्नियल प्रत्यारोपण और नेत्र स्वास्थ्य से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल भाषा में समाधान किया। अंत में उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य अनिता शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के. के. कंजोलिया, वरिष्ठ नेत्र शल्य चिकित्सक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुरेश के. पाण्डेय, उपाध्यक्ष जी. डी. पटेल, कार्यकारिणी सदस्य अमित सिंह राठौड़, अनीता चौहान तथा तकनीशियन टिंकू ओझा सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। सादर प्रकाशनार्थ सम्पादक महोदय

बीकेबीआईईटी में महिला सुरक्षा, एंटी-रैगिंग एवं नशामुक्ति पर जागरूकता

राजस्थान दर्शन

पिलानी कैलाशपति रूथला बी.के. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीकेबीआईईटी), पिलानी में इंडक्शन कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महिला सुरक्षा, एंटी-रैगिंग एवं नशामुक्ति विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित, अनुशासित एवं स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण के प्रति जागरूक करना रहा। महिला सुरक्षा सत्र में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, पिलानी की कांस्टेबल अनिता एवं कांस्टेबल अंजू ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा, सतर्कता, सुरक्षित व्यवहार तथा विपरीत परिस्थितियों में उचित कदम उठाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध सहायता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। इसी क्रम में विद्यार्थियों से एंटी-रैगिंग अंडरटेकिंग फॉर्म भरवाए गए तथा रैगिंग के दुष्परिणामों एवं संस्थान में अनुशासन बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही मेरा भारत-नशामुक्त युवा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बी.के. बिरला समूह संस्थानों के निदेशक प्रो. विजय कुमार राउत एवं बीकेबीआईईटी के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सुरक्षा, अनुशासन एवं नशामुक्त जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान में सुरक्षित, सकारात्मक एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मनुस्मृति शर्मा ने अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम के सुचारु संचालन में विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों के समन्वय, अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। जागरूकता सत्रों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विशेषज्ञों से संवाद कर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। महिला सुरक्षा, रैगिंग के प्रति शून्य सहनशीलता, नशामुक्त जीवन एवं अनुशासन के संदेशों पर केंद्रित यह आयोजन नवप्रवेशित विद्यार्थियों के सुरक्षित, जागरूक एवं जिम्मेदार व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में प्रभावी पहल साबित हुआ।

700 मुनियों की महाअर्चना से गूंजा चंद्रप्रभु दिगंबर जैन जिनालय

त्याग, तप और संयम की प्रेरणा देती है 700 मुनियों की गौरवगाथा –108 विरागसागर जी महामुनिराज

आज श्रेयांसनाथ भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा

राजस्थान दर्शन

कोटा। रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन जिनालय में परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज के सुशिष्य गणधर मुनि श्री 108 विवर्धनसागर जी महाराज एवं प्रवर्तक मुनि श्री 108 विश्वनायकसागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों की महाअर्चना का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन विधानाचार्य जितेंद्र शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुआ। अध्यक्ष राजेंद्र गोधा एवं पंकज खटोड़ ने बताया कि चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं पाद प्रक्षालन का सौभाग्य कपूरचंद, पारस-मीरा लुहाड़िया परिवार तथा कैलाशदेवी, मुकेश, राजू एवं प्रदीप पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। गणधर मुनि श्री 108 विवर्धनसागर जी महाराज ने धर्मसभा में अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों के प्रसंग का विस्तार से उल्लेख करते हुए उनके त्याग, तप, संयम और धर्मनिष्ठा से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धर्म के मार्ग पर आने वाली परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना सम्यक दृष्टि, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ करना चाहिए। मुनिश्री ने रक्षाबंधन पर्व के पूर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए जीवन में मर्यादा, संस्कार और आत्मिक उन्नति को अपनाने की प्रेरणा दी। कोषाध्यक्ष ताराचंद बडला ने बताया कि 28 अगस्त को प्रातः 8.30 बजे श्री 1008 श्रेयांसनाथ भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। धर्मसभा में सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रकाश बज, महामंत्री पदम बडला, अशोक सांवला, सुरेश देईवाले, नरेंद्र सेठिया, प्रेमचंद दुर्गेरिया, पुष्प लुहाड़िया, महावीर जैन, अशोक पांडिया, अनिल बड़जात्या, बसंतीलाल पाटनी सहित गुरु सेवा संघ परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नेपाल त्रासदी : राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला, वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत पशुपतिनाथ जी की यात्रा 31 अगस्त तक स्थगित

जयपुर

नेपाल में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा और कठिन परिस्थितियों के बीच राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए एक बड़ा और अहम निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शनों के लिए जाने वाले बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए इस यात्रा को फिलहाल पांच दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार काठमांडू (नेपाल) की इस हवाई यात्रा को 27 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक के लिए रोक दिया गया है। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार के लिए अपने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और सेहत सबसे पहली प्राथमिकता है। नेपाल में आई इस भीषण त्रासदी के बाद वहां के हालात और बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ है। ऐसी स्थिति में बुजुर्गों को किसी भी प्रकार की असुविधा या जान-माल का खतरा न हो, इसलिए बेहद सतर्कता बरतते हुए यात्रा को अस्थायी रूप से रोकने का संवेदनशील निर्णय लिया गया है। मंत्री कुमावत ने राजस्थान के वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि तीर्थयात्रियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। देवस्थान विभाग नेपाल के घटनाक्रम और वहां के मौसम व सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए है। जैसे ही नेपाल में परिस्थितियां पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में होंगी, इस यात्रा को दोबारा पूरी सुरक्षा के साथ सुचारू (री-शेड्यूल) कर दिया जाएगा।

यूपीपीएससी के सदस्य डॉ. ए.के. वर्मा ने किया आरपीएससी का दौरा

जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग की प्रक्रियाओं एवं कार्यप्रणाली को समझने के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. ए.के. वर्मा ने गुरुवार को आरपीएससी कार्यालय का दौरा किया। आयोग कार्यालय पहुंचने पर यूपीपीएससी के सदस्य डॉ. ए.के. वर्मा का स्वागत किया गया। आरपीएससी अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल(रि.) केसरी सिंह राठौड़ एवं आयोग सदस्य डॉ. सुशील कुमार बिस्सु ने उन्हें साफा पहनाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आयोग परिसर में वर्मा ने पौधारोपण भी किया। इस दौरान डॉ. वर्मा ने आयोग के विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली एवं परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों की जानकारी ली, विशेष तौर पर ऑन-स्क्रीन मार्किंग और स्कैनिंग प्रक्रिया को बारीकी से समझा। उन्होंने इस प्रक्रिया की गति और सटीकता की सराहना की। साथ ही, परीक्षा, परिणाम एवं साक्षात्कार की गतिशीलता को भी बेहद सराहा। इसके अलावा आयोग द्वारा हाल ही में शुरू किए गए अन्य प्रशासनिक नवाचारों की भी विस्तृत जानकारी वर्मा द्वारा ली गई। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व महाराष्ट्र में आयोजित विभिन्न लोक सेवा आयोगों की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में आरपीएससी अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल(रि.) केसरी सिंह राठौड़ ने राजस्थान द्वारा अपनाई गई व्यवस्थाओं और नवाचारों का प्रस्तुतीकरण दिया था। इस बैठक में देश के कई अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने राजस्थान की कार्यप्रणाली में गहरी रुचि दिखाई थी। यूपीपीएससी के इस दौरे के अतिरिक्त अन्य राज्यों के लोक सेवा आयोगों के द्वारा भी अध्ययन के लिए आरपीएससी से संपर्क किया गया है।

थल सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ एवं महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मुलाकात

जयपुर

भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने गुरूवार को जयपुर प्रवास के दौरान महानिदेशक पुलिस, राजस्थान राजीव कुमार शर्मा से उनके निवास पर मुलाकात की। शर्मा ने सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान पुलिस की विभिन्न ईकाईयों के 'प्रतीक चिन्हों' से युक्त स्मृति चिन्ह सेना अध्यक्ष को भेंट किया। जनरल सेठ ने भी शर्मा को सैन्य स्मृति चिन्ह भेंट कर पारस्परिक सम्मान एवं सौहार्द का संदेश दिया। थल सेना अध्यक्ष एवं पुलिस महानिदेशक, राजस्थान के बीच विस्तृत चर्चा के दौरान राजस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा से जुडे मुद्दों, आसूचना (इंटेलीजेंस) के परस्पर आदान-प्रदान, संवेदनशील परिस्थितियों में सेना एवं पुलिस के मध्य बेहतर समन्वय इत्यादि पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों अधिकारीगणों ने सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आपसी संवाद, संयुक्त क्षेत्रीय निगरानी तंत्र एवं आसूचना (इंटेलीजेंस) के नियमित आदान-प्रदान को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्राकृतिक आपदा की परिस्थिति में राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) के साथ सेना के सहयोग पर भी चर्चा हुई। विगत सेना भर्ती जो निर्बाध रूप से आयोजित हुई उसमें पुलिस का सहयोग उत्कृष्ट सैन्य नागरिक प्रशासन के समन्वय का उदाहरण बना। साथ ही, प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्द्धन को लेकर भविष्य में बेहतर तालमेल बनाने पर सहमति बनी।

कलेक्टर की स्कूटी के बाद अब कमिश्नर की पैदल गश्त

जयपुर

राजधानी जयपुर में बीते दिनों कलेक्टर संदेश नायक ने सरकारी गाड़ी छोड़कर स्कूटी पर बैठकर निरीक्षण किया, जो काफी सुर्खियों में रहा। इस बीच अब जयपुर नगर निगम के कमिश्नर ओम कसेरा भी कुछ इसी अंदाज में नजर आए। कसेरा भी गुरुवार को निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। खास बात है कि कसेरा स्कूटी पर तो नहीं निकले, लेकिन उनके निरीक्षण का तरीका कुछ अलग ही था। इस दौरान कसेरा सुबह 8 बजे सफाई व्यवस्था देखने के लिए पैदल ही निकल गए। उनके साथ नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। उन्होंने करीब 2 घंटे तक शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद कसेरा के इस कार्य की जमकर तारीफें शुरू हो गई है। इससे पहले जयपुर नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा गुरुवार को सुबह 8 बजे पैदल ही निकल गए। उन्होंने जयपुर में परकोटे की सफाई व्यवस्था खुद सड़कों पर पैदल घूम कर देखी। इस दौरान करीब 2 घंटे तक नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पैदल घूमते हुए परकोटे के छोटी चौपड़, चौगान स्टेडियम, गोविंद देव जी, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया गेट सहित अन्य इलाकों का निरीक्षण किया। साथ ही कमियां पाई जाने पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

'यात्रियों को बड़ी राहतर:, सितम्बर में 47 जोड़ी रेलसेवाओं में बढ़ेंगे 132 अतिरिक्त डिब्बे '

राजस्थान दर्शन

रेलवे द्वारा सितम्बर माह में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु 47 जोडी रेलसेवाओं में 132 डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है। यह जानकारी उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने दी।

पूरी निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराएं - जिला निर्वाचन अधिकारी

द्वितीय दिवस को 900 पीआरओ एवं 859 पीओ फर्स्ट को दिया प्रशिक्षण

रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों व ईवीएम वेयर हाउस का भी किया निरीक्षण

जयपुर

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण बुधवार, 26 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया गया। जयपुर शहर में 4 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 10 स्थानों पर आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदान दलों के 900 पीआरओ एवं 859 पीओ फर्स्ट को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान कार्य एवं विभिन्न प्रपत्रों के संधारण सहित निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) एवं जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक द्वारा जयपुर शहर के प्रशिक्षण स्थलों महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोषियल साइंसेज, पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एचआरडीसी एवं आईजीपीआरएस में प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान दलों के कार्मिकों से ईवीएम से मतदान प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में नगरीय निकाय चुनावों को संपन्न कराने के लिए किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान दलों के कार्मिकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में मतदान दल के कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है मतदान कार्मिकों के समर्पण भाव के कारण ही स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण चुनाव करवाना संभव हो पाता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम जयपुर के बूथों सहित 18 अन्य नगरीय निकाय के पोलिंग बूथों पर मतदान कराने की आपकी महत्ती जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से नियमानुसार करें। इससे पूर्व उन्होंने कलेक्ट्रेट एवं जिला परिषद स्थिति रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों के साथ-साथ झोटवाड़ा स्थिति ईवीएम वेयर हाउस का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सुगम एवं सुव्यस्थित व्यवस्थाओं के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस दौरान सीईओ जिला परिषद् व स्वीप प्रभारी शुभम भाईसारे, उपजिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय व चुनाव प्रषिक्षण प्रभारी देवयानी, जिला परिषद के एसीईओ बृजमोहन गुप्ता तथा जयपुर जिला स्वीप समन्वयक दिनकर शर्मा सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जोबनेर एवं किशनगढ़ रेनवाल में खाद्य प्रतिष्ठानों पर सैम्पलिंग एवं निरीक्षण की कार्रवाई

राजस्थान दर्शन

जयपुर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, श्री अविचल चतुर्वेदी के आदेशों की पालना में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय, डॉ. मनीष मित्तल के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा जोबनेर एवं किशनगढ़ रेनवाल कस्बे में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की कार्रवाई की गई। रक्षाबंधन के त्योहार के दौरान आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण मिठाई तथा अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों एवं उनके कारखानों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए। कार्रवाई के दौरान जोबनेर स्थित खुशी जोधपुर मिष्ठान भंडार ,,अलवर मिष्ठान भंडार , नवरतन मिष्ठान भंडार, शंकर मिष्ठान भंडार,से बेसन के लड्डू , कलाकंद , बूंदी लड्डू, जलेबी के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी क्रम में किशनगढ़ रेनवाल में जनता जोधपुर स्वीट्स, गणपति मिष्ठान भंडार, अशोका स्वीट्स एवं बालाजी जोधपुर मिष्ठान भंडार आदि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न मिठाइयों के नमूने जांच हेतु लिए गए। उक्त कार्रवाई के दौरान लिए गए सभी खाद्य नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला, जयपुर भेजा गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम एवं संबंधित नियमों के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम में श्री रमेश चंद यादव, श्री अवधेश गुप्ता एवं श्री मुकेश कुमार शामिल रहे।

बस्सी के शर्मा मिष्ठान भंडार पर 125 किलो मिलावटी मिल्क केक नष्ट किया

राजस्थान दर्शन

जयपुर प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर विभाग द्वारा त्योहारी सीजन में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य सामग्री में मिलावट रोकने हेतु जारी विशेष अभियान में आज सी एम एच ओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने बस्सी में कार्यवाही कर लगभग 125 किलो मिलावटी मिल्क केक नष्ट करवाया। सी एम एच ओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि आज टीम द्वारा बस्सी के मुख्य मार्केट में मिठाई की दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। तुंगा रोड स्थित मैसर्स शर्मा मिष्ठान भंडार पर कार्यवाही की गई जिसमें अलवर से 180 रुपए किलो के भाव में मंगवाये गए मिलावटी मिल्क केक को नष्ट करवाया गया। सैंपल लेकर तीन कार्टन में 60 पैकेटों में रखे मिलावटी मिल्क केक को मौके पर नष्ट करवाया गया । इसे काटकर काउंटर में 360 रुपए किलो की रेट पर पर बेचा जा रहा था। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। मैसर्स श्री अम्बे जोधपुर मिष्ठान भंडार का निरीक्षण कर मिल्क केक का एक नमूना जांच हेतु लिया गया। मैसर्स लाल जी जोधपुर मिष्ठान भंडार से मिल्क केक,मावा बर्फी,गुलाब जामुन के नमूने लिए गए। अन्य दुकानों का भी टीम द्वारा निरीक्षण कर मिठाइयों में फूड कलर का उपयोग कम से कम करने,स्वच्छता रखने,खाद्य सामग्री को ढक कर रखने,अच्छी क्वालिटी का मावा उपयोग में लेने के निर्देश दिए गए। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, राजेश नागर एवं रिमिका माथुर शामिल रहे।

सुरक्षित मातृत्व दिवस के तहत हाई रिस्क गर्भवतियों की हुई सघन स्वास्थ्य जांच

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की एएनसी जांच, हाई रिस्क गर्भवतियों को मिला त्वरित उपचार एवं परामर्श

एनीमिया पीड़ित गर्भवतियों को लगाए एफसीएम इंजेक्शन

राजस्थान दर्शन

जयपुर। सुरक्षित मातृत्व दिवस के अंतर्गत गुरुवार को जिले के स्वास्थ्य संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं की सघन प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच (एएनसी) आयोजित की गई। अभियान के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की विस्तृत जांच कर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) की समय पर पहचान की गई तथा आवश्यक उपचार, परामर्श एवं नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि सुरक्षित मातृत्व दिवस का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा हाई रिस्क गर्भावस्था की समय रहते पहचान कर जटिलताओं से बचाव करना है। इस दौरान चिन्हित हाई रिस्क गर्भवतियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने बताया कि इसके तहत एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन लगाए गए, जिससे रक्त की कमी को शीघ्र दूर कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस दौरान गर्भवती महिलाओं के रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा, वजन, मूत्र परीक्षण, एचआईवी जांच, भ्रूण की हृदय गति सहित सभी आवश्यक जांचें की गईं। जांच के आधार पर हाई रिस्क गर्भवतियों को चिन्हित कर नियमित निगरानी, उपचार एवं फॉलोअप की व्यवस्था की गई। गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, आयरन-फोलिक एसिड का नियमित सेवन, गर्भावस्था के दौरान खतरे के लक्षणों की पहचान, समय पर संस्थागत प्रसव, जन्म तैयारी, नवजात शिशु की देखभाल, जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारंभ करने, छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने, प्रसवोत्तर देखभाल तथा परिवार नियोजन संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया

सहकार नेता आमेरा ने की मांग: पंचायत व निकाय चुनाव में नामांकन के साथ सहकारी बैंकों ,समितियों का नो-ड्यूज अनिवार्य हो

राजस्थान दर्शन

जयपुर, ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के महासचिव सहकारी साख समितियाँ एम्प्लाइज यूनियन राजस्थान के अध्यक्ष सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त, मुख्यमंत्री एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता को पत्र लिखकर मांग की है कि निकाय एवं ग्राम पंचायत चुनावों के नामांकन पत्र के साथ ग्राम सेवा सहकारी समिति प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, केन्द्रीय सहकारी बैंक एवं अपैक्स बैंक के ऋण बकाया से संबंधित 'नो-ड्यूज / अनापत्ति प्रमाण पत्र' को अनिवार्य दस्तावेज के रूप में लागू किया जाए। प्रांतीय महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि प्रदेश की 9000से अधिक सहकारी पैक्स/लैम्पस ,36पीएलडीबी एवं 29 जिला सहकारी बैंकों में हजारों करोड़ रुपये का अवधिपार ऋण बकाया है। अनेक बड़े बकायादार ही चुनावों में प्रत्याशी बन जाते हैं, जिससे वसूली बाधित होती है।

यदि नो-ड्यूज अनिवार्य होता है तो:

1. बकाया सहकारी ऋणों की वसूली में स्वत: तेजी आएगी।
2. सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, NPA घटेगा।
3. ईमानदार जरुरतमंद किसान को लाभ मिलेगा।
4. सहकारी संस्थाएं मजबूत होंगी।

आमेरा ने कहा यह कदम 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। यह किसी को चुनाव से रोकना नहीं, बल्कि प्रदेश के सहकारी साख सिस्टम को बचाने का प्रयास है।

राजस्थान फाउंडेशन की नॉलेज सीरीज का 5वां एपिसोड आयोजित

शिक्षा के बदलते परिदृश्य में भामाशाहों और प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका पर हुआ मंथन

जयपुर

राजस्थान के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने, आधुनिक सुविधाओं का विस्तार करने तथा आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने में प्रवासी राजस्थानियों एवं भामाशाहों का सहयोग महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से राजस्थान फाउंडेशन द्वारा गुरुवार को नॉलेज सीरीज के 5वें एपिसोड का वर्चुअल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'ज्ञान संकल्प पोर्टल' तथा 'राजस्थान में शिक्षा के बदलते परिदृश्य में भामाशाहों की भूमिका एवं भावी साझेदारी' विषय पर विस्तार से मंथन हुआ। कार्यक्रम में अमेरिका प्रवासी डॉ. अशोक जैन द्वारा जालोर के ग्राम दादाल, सायला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विकास में लगभग 7 करोड़ रुपये के योगदान तथा डॉ. विजय पाल आर्य द्वारा अपनी दिवंगत माताजी की स्मृति में भरतपुर के बल्लभगढ़ स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगभग 2.5 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्निर्माण का उल्लेख किया गया। इसी प्रकार IIFL फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती मधु जैन के नेतृत्व में उदयपुर एवं सलूम्बर के 102 राजकीय बालिका विद्यालयों में जनजाति वर्ग की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों और बालिका शिक्षा पर अब तक 16 करोड़ रुपये व्यय किए जाने की जानकारी देते हुए इनके कार्यों की सराहना की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग श्री राजेश यादव ने बताया की राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 65 हजार से अधिक राजकीय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें लगभग 75 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल विद्यालय तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उन्हें 21वीं सदी के कौशल, डिजिटल शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण से जोड़ना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ प्रवासी राजस्थानी समाज, भामाशाहों एवं कॉरपोरेट जगत की साझेदारी महत्वपूर्ण है। पिछले एक साल में शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों ने लगभग 300 करोड़ रुपये का योगदान दिया है । अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रवासी राजस्थानियों, भामाशाहों एवं कॉरपोरेट संस्थानों से विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण, जीर्णोद्धार, सुरक्षा दीवारों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए आधुनिक स्वच्छता सुविधाओं के विकास में सहयोग का आह्वान किया। इसके साथ ही ग्रामीण विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर, कोडिंग एवं रोबोटिक्स लैब, सोलर पावर सिस्टम, क्लासरूम लाइब्रेरी, साइंस किट्स तथा मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और ग्लोबल मेंटरशिप कार्यक्रमों को सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बताया।

10 दिनों में 16 ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन पकड़े, बिना ई-वे बिल और कम मात्रा व मूल्य दर्शाने के मामले आए सामने

जयपुर

राज्य में माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल के प्रावधानों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध वाणिज्यिक कर विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की प्रवर्तन टीमों ने पिछले 10 दिनों में 16 अलग-अलग ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन अनियमितताओं के चलते पकड़े हैं। इन वाहनों में या तो आवश्यक ई-वे बिल के बिना माल का परिवहन किया जा रहा था अथवा ई-वे बिल में वास्तविक रूप से परिवहन किए जा रहे माल की तुलना में कम मात्रा या कम मूल्य दर्शाया गया था। विभाग द्वारा पकड़े गए वाहनों को नियमानुसार जब्त कर उनके संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

खेलो इंडिया संवाद में उत्तर पश्चिम रेलवे के कॉमनवेल्थ पदक विजेता यशवीर सिंह ने युवाओं को किया प्रोत्साहित

यशवीर सिंह ने रेलवे द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं और खेलों को प्रोत्साहित करने की योजनाओं के लिए किया आभार व्यक्त

राजस्थान दर्शन

देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और युवाओं को खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की दिशा में 'खेलो इंडिया संवाद का राष्ट्रव्यापी आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देशभर के युवा, खिलाड़ी, स्वयंसेवक और खेल जगत से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहें। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का युवाओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद रहा। प्रधानमंत्री ने युवाओं को खेलों को केवल प्रतियोगिता या पाठ्यक्रम से जुड़ी गतिविधि न मानकर इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उन्होंने खेलों को स्वस्थ समाज, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सुबोध कॉलेज, जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे के कॉमनवेल्थ खेल-2026 में पदक विजेता श्री यशवीर सिंह ने सहभागिता की तथा संवाद में भाग लिया। श्री यशवीर सिंह ने युवाओं को मेहनत, अनुशासन और धैर्य से नियमित अभ्यास की बात कहीं जिससे सफलता प्राप्त की जा सकती है तथा उन्होंने अपनी सफलता में रेलवे द्वारा खेलों को प्रोत्साहन देने की योजनाओं और उपलब्ध करवाए जा रहें इन्फ्रास्ट्रचर के लिए भी आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही सरकार द्वारा खिलाडियों को दी जा रही सुविधाओं, कोचिंग और प्रोत्साहन देने वाली सुविधाओं का भी उल्लेख कर सरकार का धन्यवाद किया। खेलो इंडिया संवाद के दौरान श्रीमती मंजू शर्मा, माननीय सांसद-जयपुर, श्री राव राजेन्द्र सिंह, माननीय सांसद, जयपुर-ग्रामीण सहित खेल जगत के युवागण उपस्थित रहे। खेलो इंडिया संवाद का आयोजन युवाओं में खेल भावना, फिटनेस, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बनेगा और खेलों को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में ऐसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित कर करेंगे जिससे देश को खेल जगत में अलग पहचान बनाने में सहायता मिलेगी।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

संपादकीय

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्ल, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्ल तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्ल के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

सोना 1,60,300 रुपए तो चांदी 2,41,306 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 637 रुपये चढ़कर 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1,668 रुपए महंगी होकर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं में मजबूती दर्ज की गई, जहां सोना 0.71 फीसदी बढ़कर 4,686 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.67 फीसदी चढ़कर 69 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट झेलने के बाद, सोने में अब फिर से मजबूती लौटी है। बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बयान पर है। इसके साथ ही, अमेरिका में लगातार 65वें महीने 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई महंगाई दर और ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत सोने की आगे की चाल तय करेंगे। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव (जैसे होर्मुज से जुड़ी घटना) की स्थिति में निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ती है और कीमतों को सहारा मिलता है। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद, कई बाजार विश्लेषकों को सोने में आगे और तेजी की उम्मीद है। कुछ एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि इस साल सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर सकता है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, जो 1979 के बाद सबसे मजबूत तेजी वाला दौर था। वहीं चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मजबूत मांग और करेंसी में बदलाव के कारण चांदी, जो 2023-24 में लगभग 78,600 रुपए प्रति किलोग्राम थी, वह अब बढ़कर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

पुष्प ब्रांड को सेबी की हरी झंडी, जल्द आएगा आईपीओ

इंदौर से शुरू हुई कंपनी मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की ओएफएस लाएगी

नई दिल्ली ।

पैकेज्ड खाद्य कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसकी जानकारी बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को दी। इंदौर में 1974 में स्थापित, पुष्प ब्रांड ने एक क्षेत्रीय मसाला कारोबार से बढ़कर अब पुष्प और मुनीमजी ब्रांड के तहत काम करने वाली एक व्यापक पैकेड खाद्य कंपनी का रूप ले लिया है। कंपनी शुद्ध एवं मिश्रित मसाले, साबुत मसाले, हींग और अन्य उत्पाद पेश करती है, जिनकी 31 मार्च, 2026 तक 312 श्रेणियां थीं। सेबी को जून में दस्तावेज दाखिल करने के बाद 27 अगस्त को मिली इस मंजूरी के बाद, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पुष्प कड़क चाय पेश करने की भी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक, पुष्प ब्रांड का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,016 वितरकों और 3.68 लाख से अधिक खुदरा बिक्री केंद्रों तक फैला हुआ था।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई । एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गुरुवार को शुरुआती बढ़त के बाद अब मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे पहले एने विडिया के मजबूत बिक्री अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा था। जापान का`` निक्कई 225 करीब 0.13 फीसदी गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में महंगाई से जुड़े एक प्रमुख संकेतक के फेडरल रिजर्व के लक्ष्य से ऊपर बने रहने के बाद इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 539, निफ्टी 116 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु , पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त रही।

आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट

रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लाएगी 3,750 करोड़ का आईपीओ

स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,750 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और भविष्य के विस्तार के लिए करेगी। यह प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का एक निर्गम होगा, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुछ मौजूदा कर्जों के पुनर्भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इस पूंजी जुटाने से अपने बही-खाते को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा खंड में अपने विस्तार को गति देना है। सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा के पास 31 मार्च, 2026 तक 3.60 गीगावाट की परिचालन क्षमता है, जबकि 4.04 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जो कंपनी की विकास क्षमता को दर्शाती हैं।

डीएचएल एक्सप्रेस के लिए भारत वैश्विक वृद्धि का इंजन

जीडीपी से डेढ़ गुना तेज रफ्तार का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

लॉजिस्टिक दिग्गज डीएचएल एक्सप्रेस भारत को अपने वैश्विक कारोबार के लिए वृद्धि का प्रमुख केंद्र मानती है। कंपनी ने घोषणा की है कि भारत में उसका कामकाज वैश्विक स्तर पर डीएचएल के अन्य परिचालनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। रुपये में उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएचएल अगले दशक में देश में अपने 1 अरब यूरो के निवेश को बनाए रखने की योजना बना रही है, जो भारत के आर्थिक भविष्य में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी का हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में लगभग 1.5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि पिछले 5 से 10 वर्षों में कंपनी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) आम तौर पर इस जीडीपी बेंचमार्क से 1-2 फीसदी अधिक रही है। यह प्रदर्शन डीएचएल समूह के हालिया नतीजों में भी झलकता है, जहां जून 2026 को समाप्त तिमाही में समूह का परिचालन मुनाफा 30 फीसदी बढ़कर 1.9 अरब यूरो रहा। रुपये के मुकाबले डॉलर और यूरो में लगातार उतार-चढ़ाव कंपनी के लिए एक चुनौती रहा है। पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले रुपये में 8.2 फीसदी और हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद 4.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए, डीएचएल ने 1 अगस्त से करेंसी इफेक्ट्स इंडेक्स शुरू किया है। सुब्रमण्यन ने भारत के भविष्य पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर देश की चर्चा बहुत सकारात्मक रूप से हो रही है। उन्होंने इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश को रेखांकित किया, जो डीएचएल के लॉजिस्टिक कारोबार के लिए महत्वपूर्ण विकास के अवसर पैदा करते हैं।

कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

ईरान-ओमान समझौता बना कीमतों पर दबाव का कारण

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है।

इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एसजेवीएन के बीच 50 मेगावॉट एफडीआरई समझौता

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 50 मेगावॉट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना के लिए 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। इस करार से देश में नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति को नई गति मिलेगी। यह समझौता 4.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से हुआ है और 25 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इस परियोजना में सौर ऊर्जा को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में मासिक आधार पर 90 प्रतिशत उपलब्धता के साथ स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह पीपीए कंपनी की एफडीआरई परियोजनाओं का बड़ा खंड बनाने की रणनीति का एक अहम हिस्सा है और एसजेवीएन के साथ साझेदारी को और मजबूत करता है। इस नए समझौते के साथ, जुनिपर ग्रीन एनर्जी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब बढ़कर 11,216 मेगावॉट हो गई है, जो इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फार्मा कंपनियों पर अनोखा संकट, कमाई बढ़ी पर मुनाफा घटा!

अमेरिका में रेव्लिमिड की कम बिक्री बनी वजह, डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसे दिग्गजों पर ज़्यादा असर

मुंबई ।

आमतौर पर किसी कंपनी की कमाई घटने के पीछे कमजोर बिक्री या बढ़ता खर्च होता है, लेकिन भारतीय दवा कंपनियों के साथ इस समय एक अजीब स्थिति बनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उनकी कुल कमाई बढ़ी, कामकाजी मुनाफा भी सुधरा, लेकिन शुद्ध मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इस अप्रत्याशित गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका में कैंसर की एक महत्वपूर्ण दवा, जेनेरिक रेव्लिमिड (लेनालिडोमाइड) की कम बिक्री और कीमतों में आई भारी गिरावट है। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियाँ इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसके दायरे में आने वाली दवा कंपनियों की कुल कमाई में 14.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई और उनका कामकाजी मुनाफा भी 6.9 फीसदी बढ़ा। इसके बावजूद, इन कंपनियों का मुनाफा 4.1 फीसदी घट गया, जिसकी एक बड़ी वजह अमेरिका में जेनेरिक रेव्लिमिड की कम बिक्री और कीमतों में आई तेज गिरावट रही।

रेव्लिमिड, जिसका मूल नाम लेनालिडोमाइड है, कैंसर, खासकर मल्टीपल मायलोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक महत्वपूर्ण दवा है।

एक समय में भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए कमाई का बड़ा जरिया बनी यह दवा अब उनके मुनाफे पर भारी पड़ रही है। पेटेंट विवादों के बाद हुए समझौतों के तहत, भारतीय जेनेरिक कंपनियों को मार्च 2022 के बाद अमेरिका में सीमित मात्रा में जेनेरिक लेनालिडोमाइड बेचने की अनुमति मिली थी। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी कंपनियों के लिए जनवरी 2026 तक बिक्री की मात्रा पर सीमाएं तय थीं।

बाजार में सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण रेव्लिमिड की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे भारतीय कंपनियों ने इस दवा से शानदार कमाई की। लेकिन जनवरी 2026 के करीब आते ही तस्वीर बदल गई। जैसे-जैसे बिक्री की मात्रा पर लगी सीमाएं खत्म हुईं और अधिक जेनेरिक कंपनियां बाजार में आईं, प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी। ज्यादा आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी माहौल के चलते रेव्लिमिड के जेनेरिक वर्जन की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा। डॉ. रेड्डीज के मार्च तिमाही के नतीजों में भी लेनालिडोमाइड की कीमतों में आई गिरावट का साफ असर दिखा था।

1 सितंबर से महंगी होंगी टाटा और हुंडई की गाड़ियां

इनपुट लागत में बढ़ोतरी बनी वजह, पेट्रोल-डीजल से लेकर ईवी तक सभी सेगमेंट प्रभावित

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम आदमी से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा झटका कार प्रेमियों को लगा है। टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के बजट पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने 1 सितंबर से अपने पूरे कार और एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में 25,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पेट्रोल, डीजल (आईसीई) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सभी सेगमेंट पर लागू होगी। कंपनी ने कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। यह चालू तिमाही में टाटा की दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले जून में भी दाम बढ़ाए गए थे। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी 19 अगस्त को घोषणा की थी कि वह सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। हुंडई ने भी इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत के साथ-साथ जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं को इसका कारण बताया है। इससे पहले, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भी अगस्त में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर चुकी है। लागत के बढ़ते दबाव के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में कीमतों में वृद्धि का यह सिलसिला जारी है।

आईपीओ बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती के बाद तेज उछाल

अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती अब खत्म होती दिख रही है। प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल है। अगस्त महीने में कंपनियों के सार्वजनिक निर्गमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आने वाले समय में एनएसई, फोनपे, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ेप्टो और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ आने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों में उत्साह है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक और भू-राजनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता है, तो 2026 की दूसरी छमाही में भी आईपीओ बाजार की यह रफ्तार बनी रह सकती है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद है, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी। इसके विपरीत साल के पहले छह महीनों में आईपीओ लाने की गति काफी धीमी रही थी, और मई में तो एक भी आईपीओ जारी नहीं हुआ था। एक ब्रोकर कंपनी के मुतो बिक पहली छमाही में बाजार की गिरावट, शुल्क को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक परिस्थितियों ने कंपनियों की आईपीओ लाने की क्षमता और निवेशकों की भावना (सेंटिमेंट) दोनों को प्रभावित किया। अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता ने उस दौरान बाजार पर दबाव बनाया था। आईपीओ के लिए कंपनियों की एक लंबी कतार लगी हुई है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 239 कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इनमें से 164 कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ की मंजूरी मिल चुकी है, जिनके जरिए करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है। वहीं, 75 कंपनियों ने सेबी के पास मसौदा पत्र (ड्राफ्ट पेपर) दाखिल किए हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके जरिए लगभग 2.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स शुरू किया

अब कंपनियां भविष्य की बिजली लागत का करेंगी बेहतर प्रबंधन

नई दिल्ली

भारत के कमोडिटी बाजार में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। सोना, चांदी और कच्चे तेल की तर्ज पर अब देश में बिजली की कीमतों पर भी वायदा कारोबार संभव हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स की शुरुआत की है, जिससे बिजली उत्पादक और उपभोक्ता कंपनियां भविष्य की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। यह पहल बिजली को सिर्फ एक उपभोग्य वस्तु नहीं, बल्कि एक ट्रेडबल एसेट बनाती है। बिजली अन्य कमोडिटी से काफी अलग है क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर आसानी से स्टोर नहीं किया जा सकता। जितनी बिजली बनती है, उसका लगभग तुरंत उपयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि मांग और आपूर्ति में मामूली अंतर भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव ला सकता है। मौसम, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का उत्पादन, कोयले और गैस की उपलब्धता, बिजली प्लांट का बंद होना और ट्रांसमिशन से जुड़ी दिक्कतें जैसे कई कारक बिजली की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। भारत में अधिकांश बिजली (करीब 85-88 फीसदी) लंबे समय के खरीद समझौतों के तहत बेची जाती है, जबकि शेष 12-15 फीसदी बिजली शॉर्ट-टर्म मार्केट में पावर एक्सचेंजों पर ट्रेड होती है। यहीं मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, जो वायदा बाजार के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं। इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स में बिजली की कोई वास्तविक डिलीवरी नहीं होती; इनका निपटान नकद में किया जाता है। सौदों का निपटान भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) के डे-अहेड मार्केट की औसत मासिक कीमत के आधार पर होता है। एमसीएक्स पर एक ट्रेडिंग यूनिट 50 मेगावाट घंटा है और मौजूदा महीने के साथ अगले तीन महीनों तक के सौदे उपलब्ध होते हैं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स का सबसे बड़ा फायदा उन उद्योगों और कंपनियों को मिलेगा जिनकी परिचालन लागत में बिजली का बड़ा हिस्सा होता है, जैसे बड़ी फैक्ट्रियां, बिजली उत्पादक और वितरक कंपनियां। वे भविष्य में बिजली की कीमतों में संभावित वृद्धि या गिरावट के जोखिम को कम करने के लिए इन सौदों का उपयोग कर सकते हैं।

रानी नगरपालिका चुनाव में पहले दिन एक नामांकन दाखिल

राजस्थान दर्शन

रानी। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर रानी नगरपालिका में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन के पहले दिन गुरुवार को नगरपालिका के एक वार्ड से एक प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल किया।एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी शिवा जोशी तथा तहसीलदार एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी अंबा लाल बोसिया ने बताया कि रानी नगरपालिका में कुल 20 वार्ड हैं। चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों की आवाजाही शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है।अधिकारियों ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्था की गई हैं। नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी।

खेत में दवा का छिड़काव करते समय सर्पदंश, किसान की मौत

राजस्थान दर्शन

रानी। समीपवर्ती भगवानपुरा गांव में खेत में दवा का छिड़काव करते समय जहरीले सर्प के काटने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन किसान को उपचार के लिए रानी के स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।ए एस आई ब्रजकिशोर ने बताया की भगवानपुरा निवासी नेनाराम (45) पुत्र कपूराराम खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान उसे सर्प ने काट लिया। परिजन तत्काल उसे रानी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकीय जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर एएसआई ब्रजकिशोर मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की। चिकित्सक डॉ. देवेंद्र चौधरी ने शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य की जांच, टीकाकरण किया

राजस्थान दर्शन

रानी समीपवर्ती ग्राम कीरवा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र परिसर में गुरुवार को गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के साथ वजन किया गया तथा बच्चों का टीकाकरण, वजन, विटामिन-ए एवं पोलियो की खुराक पिलाई गई।एएनएम कंचन सालवी ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। महिलाओं को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, पौष्टिक आहार लेने तथा बच्चों का समय पर टीकाकरण करवाने की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में एएनएम कंचन सालवी, आशा सहयोगिनी कंचन वैष्णव, स्वास्थ्य मित्र कार्यकर्ता चौथाराम मीणा सहित कई महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

भारत को जानो परीक्षा 31 अगस्त को

राजस्थान दर्शन

फालना।पाली भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली भारत को जानो सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन आगामी 31 अगस्त को बाली फालना शाखा के लगभग 16 विद्यालय में आयोजित होगी, भारत विकास परिषद फालना बाली के सचिव पूनम सिंह राजपुरोहित के अनुसार लगभग 1100 छात्र-छात्राएं कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्गों से ओ. एम. आर.से होने वाली इस परीक्षा में सम्मिलित होंगे शाखा अध्यक्ष श्री गोपाल पारीक ने बताया 1100 परीक्षार्थियों हेतु परीक्षा केंद्र एवं परीक्षको की नियुक्ति कर सम्पूर्ण व्यवस्थाएं कर दी गई है ताकि व्यवस्थित रूप से उक्त परीक्षा का आयोजन हो, उन्होंने सभी संस्था प्रधानों से आग्रह किया है कि वे इस परीक्षा के नियमों की जानकारी विद्यालय प्रभारी शिक्षक को अवश्य देवे ताकि सुचारू एवं समयबद्ध परीक्षा हो भारत को जानो प्रकल्प प्रभारी अशोक कुमार मालवीय सह प्रभारी साकेत एस. देव एवं परिषद के मीडिया प्रभारी अमित मेहता के अनुसार 45 मिनट के पेपर की इस परीक्षा प्रारंभिक तैयारी हेतु परिषद के सदस्यगण कार्यशील हैं और 20 वरिष्ठ सदस्य परीक्षक की जिम्मेदारी निभाएंगे परीक्षा का समय प्रातः 9.30 से 10.15 तक का रखा गया है, सभी विद्यालयों को कोड न.और परीक्षार्थियों को रोल न. आवंटित कर दिए गए हैं विद्यालयवार जो भी छात्र प्रथम द्वितीय स्थान पर रहेंगे उन्हें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से प्रांत स्तर पर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा

नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में नामांकन प्रक्रिया शुरू

पाली नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के तहत गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन जिले में 27 अभ्यर्थियों द्वारा 28 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नगर निगम पाली, नगर पालिका खुडाला-फालना, तखतगढ़ एवं बाली में प्रथम दिन कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ। वहीं रानीखुर्द एवं मारवाड़ जंक्शन नगर पालिका में एक-एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया। इसी प्रकार सोजत रोड नगर पालिका में 2, सोजत सिटी में 3 तथा सादड़ी नगर पालिका में 5 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। सुमेरपुर नगर पालिका में 15 अभ्यर्थियों द्वारा कुल 16 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इस प्रकार प्रथम दिन जिले के नगरीय निकायों में कुल 27 अभ्यर्थियों द्वारा 28 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

70वीं ब्लॉक स्तरीय 14 वर्षीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन, पीएम श्री खुडाला ने जीता खिताब

राजस्थान दर्शन

बाली।पाली श्रीसेला। बाली ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीसेला के खेल मैदान में गुरुवार को 70वीं ब्लॉक स्तरीय 14 वर्षीय छात्र क्रिकेट खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का समापन हुआ। प्रतियोगिता में बाली ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों की 9 टीमों के कुल 124 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पीएम श्री महात्मा गांधी स्कूल खुडाला और इमानुएल स्कूल फालना की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पीएम श्री महात्मा गांधी स्कूल खुडाला की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इमानुएल स्कूल फालना की टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 41 रन बनाए। 42 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीएम श्री खुडाला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और प्रतियोगिता की विजेता बनी।

समापन समारोह की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय बाली किशोर कुमार रावल ने की। मुख्य अतिथि महिपाल सिंह चौहान रहे। प्रतियोगिता के दौरान भामाशाहों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों का विद्यालय परिवार की ओर से माला एवं साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी तथा खिलाड़ियों को मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में बेस्ट फील्डर का खिताब श्रीसेला टीम के खिलाड़ी प्रेमनाथ, बेस्ट प्लेयर पीएम श्री खुडाला के हितेश परिहार, बेस्ट बॉलर इमानुएल स्कूल फालना के नक्ष तथा बेस्ट बैट्समैन पीएम श्री खुडाला के प्रियांशु को दिया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में किशोर कुमार रावल ने कहा कि भामाशाहों के सहयोग से ही इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सका। सभी के सामूहिक प्रयास से कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि खेल में हार-जीत होती रहती है, लेकिन प्रतियोगिता में भाग लेना और अनुशासन के साथ खेलना सबसे महत्वपूर्ण है। खेलों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है।

प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीसेला के प्रधानाध्यापक एवं प्रतियोगिता संयोजक कपूराराम लोंगेशा तथा ब्लॉक समन्वयक साक्षरता बाली मूलचंद गर्ग ने सभी अतिथियों, भामाशाहों, खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के समापन की घोषणा मुख्य अतिथि श्याम सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका प्रेमलता चौधरी ने किया।

नगर निगम चुनाव पहले दिन एक भी नामांकन नहीं, 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित

आवेदन लेने के लिए उमड़ी दावेदारों की भीड़, शुक्रवार को अवकाश के चलते शनिवार से फिर शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

राजस्थान दर्शन

पाली । नगर निगम आम चुनाव 2026 को लेकर गुरुवार से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन नगर निगम कार्यालय में एक भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ। हालांकि पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों में खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित किए गए। आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए सुबह से ही नगर निगम कार्यालय में दावेदारों की लंबी कतारें लगी रहीं।

पहले दिन नहीं हुआ कोई नामांकन -रिटर्निंग अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के प्रथम दिन किसी भी अभ्यर्थी ने अपना आवेदन जमा नहीं करवाया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को राजकीय अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी। अब शनिवार से पुनः नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। अभ्यर्थियों की सुविधा एवं प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित - सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि नगर निगम चुनाव के लिए आवेदन वितरण काउंटर पर गुरुवार सुबह से ही दावेदार आवेदन पत्र लेने के लिए पहुंचने लगे थे। दोपहर तक 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित किए जा चुके थे। आवेदन प्राप्त करने के लिए काउंटर पर दावेदारों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। निर्वाचन कार्मिकों ने अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी भी दी।

अवकाश के दिन भी हेल्प डेस्क से मिलेंगे आवेदन - रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को राजकीय अवकाश होने के बावजूद पार्षद पद के संभावित उम्मीदवारों की सुविधा को देखते हुए नगर निगम में बनाई गई हेल्प डेस्क पर आवेदन पत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे। अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्प डेस्क से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शनिवार से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी। निर्वाचन व्यवस्थाओं पर रही नजर -नामांकन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों ने व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। आवेदन लेने पहुंचे दावेदारों को प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही आवेदन पत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेजों को लेकर मार्गदर्शन किया गया। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। ये रहे मौजूद -इस मौके पर विशेषाधिकारी कार्यालय निर्वाचन अधिकारी चौधरी बिरजू गोपाल, पाली तहसीलदार सुनील कुमार, उप पंजीयक प्रथम शिवजीराम बावरी, तहसीलदार निर्वाचन नेहा चौधरी, सुरेश कुमार व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, महेन्द्र बैरवा, जयपाल सिंह चौहान, शंकर सिंह राजपुरोहित, कुलदीप जोशी, हिमांशु चतुर्वेदी, ताराचंद सेजू सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

पाली नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर भाजपा ने तेज की चुनावी रणनीति

राजस्थान दर्शन

पाली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर निकाय चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में आज भाजपा जिला कार्यालय में पाली नगर निगम चुनाव की तैयारियों एवं चुनावी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा राजस्थान की सभी 10 नगर निगमों के लिए प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। पाली नगर निगम के प्रभारी महाराष्ट्र घुमंतू समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नरेन्द्र पंवार तथा सह-प्रभारी शिरडी विधायक विवेक कोल्हे अपने साथ महाराष्ट्र के कल्याण-अंबरनाथ क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के दल के साथ पाली पहुंचे। जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन, प्रदेश संगठन एवं जिला संगठन द्वारा नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी एवं नगर निकाय प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। सभी प्रभारी अपने-अपने दायित्व वाले क्षेत्रों में पूरी सक्रियता के साथ चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय एवं रणनीतिक कार्यों में जुटे हुए हैं। मीडिया संयोजक प्रवीण गोलेच्छा ने बताया कि जिला महामंत्री नारायण कुमावत ने बैठक में पाली नगर निगम के प्रभारी एवं सह-प्रभारी सहित महाराष्ट्र से आए 16 कार्यकर्ताओं को पाली नगर परिषद के वर्ष 2019 के चुनाव से संबंधित आवश्यक जानकारी दी तथा आगामी चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में सोमनाथ, शिवाजी एवं प्रताप मंडल की चुनाव व्यवस्था, संगठनात्मक गतिविधियों एवं चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा कर जिम्मेदारियां तय की गईं। महाराष्ट्र से आए सभी कार्यकर्ताओं को संबंधित मंडल पदाधिकारियों के साथ समन्वय कर चुनावी कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इधर, भाजपा जिला कार्यालय में आज भी पार्षद पद की उम्मीदवारी के इच्छुक कार्यकर्ताओं एवं दावेदारों का आवागमन जारी रहा। टिकट चयन को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर भी आवश्यक बैठकें एवं विचार-विमर्श चलता रहा। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं सक्रियता का माहौल बना हुआ है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर NSS द्वारा युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

राजस्थान दर्शन

पाली। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र) के तत्वावधान में गुरुवार को युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. विनिता कोका के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं ह्रस्र स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री ने युवाओं को खेलों से जुड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, शारीरिक सक्रियता, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली एवं खेल भावना के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित खेल एवं व्यायाम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का भी विकास होता है। कार्यक्रम का आयोजन ह्रस्र कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपिका, श्री गोमा राम, सुश्री मंजू देवासी एवं श्री करण सिंह राठौड़ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं ह्रस्र स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

मुंडारा में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

राजस्थान दर्शन

बाली।मुंडारा/पाली मुंडारा। नारकोटिक्स टास्क फोर्स,पाली चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सूरजभानसिंह राणावत के नेतृत्व में शेठ चेनमल चिमनाजी फागणीया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुंडारा में नशा मुक्ति एवं रोकथाम को लेकर एक प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर उन्हें नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान टास्क फोर्स प्रभारी उप निरीक्षक सूरजभानसिंह राणावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद करता है,बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी अंधकार में धकेल देता है। युवाओं को चाहिए कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों व समाज के अन्य युवाओं को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में पुलिस चौकी लाटाडा प्रभारी एएसआई महेंद्रसिंह एवं पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाली हीराराम रावलिया ने भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सकाराम मिरगेश्वर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराई से सदैव दूर रहने का संकल्प लेने को कहा। कार्यक्रम में मुकेशकुमार त्रिवेदी,सुरेशसिंह राजपुरोहित,बाबूलाल चौधरी,राजेश बावल,नरसिंह जीनगर, प्रमिला गोस्वामी,मिनाक्षी परिहार,प्रकाशचंद्र भादरु,मांगीलाल सुथार सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर नारकोटिक्स टास्क फोर्स पाली से मनोजकुमार, दिनेशकुमार ढाका, मूलाराम गोदारा,शंकरसिंह राजपुरोहित,हनवंतसिंह राजपुरोहित,गिरधारी मेवाड़ा सहित विद्यालय स्टाफ,ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरू द्वय जन्मजयंती धूमधाम से मनाई गुरुओं का किया गुणगान, देश भर से पहुंचे भक्तगण गौतम प्रसादी का हुआ आयोजन

राजस्थान दर्शन

पाली श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, रुई कटला, पाली के द्वारा गुरुद्वय के जन्म जयंती पर आयोजित आठ दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिवस को संघ के सानिध्य मे अणुव्रत नगर के विशाल पंडाल में विराजित मरुधरा भूषण पूज्य प्रवर्तक सुकनमुनि जी म सा, उप प्रवर्तक अमृतमुनि जी म सा, युवा प्रणेता महेश मुनि जी म सा, अखिलेश मुनि जी म सा, डॉक्टर वरुण मुनि जी म सा व महासती उमरावकंवर जी डॉ प्रीतिसुधा जी व संघ के सानिध्य में आयोजित किया गया । इस अवसर पर सबसे पहले दरबार सजाया गया और ध्वज फहराया गया, संघ की ओर से सभी लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया, गुरुदेव मिश्रीमल जी महाराज की 136 वी जयंती धूमधाम से मनाई, रातडिया मुता परिवार का स्वागत ललवानी परिवार पदमचंद ललवानी परिवार की ओर से किया गया, इस अवसर पर तमिलनाडु से आए मरुधर केसरी जैन युवा संघ के मधुकर जी का स्वागत किया, जिन्होंने गुरुदेव के लिए देशभर की गौशाला में 6:30 ला ख रुपए दान किया जिनका भी संघ के मंत्री पर प्रकाश कटारिया, गिरीश काकरिया, महेन्द्र जैन केवल चंद जी धोका गौतम कवाड़, सज्जन राज गुलेच्छा होशियार चंद मेहता सभी सदस्यों ने बहुमान किया, इस अवसर पर डॉ वरुण मुनी ने गुरु की महिमा बताइ उनके आशीर्वाद के कारण पूरे देश में उनके भक्त फैले हुए हैं और आज जन्म जयंती मनाने पहुंचे हैं हम सभी गुरुदेव के चरणों में साता दो सुख दो, गुरु को दुख में याद करते हो तो सुख में भी याद करना चाहिए, जब जिंदगी में कुछ नहीं तब बाबा का मांगलिक लिया जिससे अब काम की फुर्सत नहीं, एकता की राह पर चलो बिखराव की बात मत करो बाबा मरुधर केसरी का कहना था बाबा रूपचंद जी अपने जीवन में उनका आशीर्वाद है यह आपको केला समझते हैं कि नहीं संगठन,एकता, जीवदया के क्षेत्र पर चले, जिनकी आस्था बिखरी हुई होती है जीवन बिखर जाता है, एक आस्था एक गुरु रखें, इस अवसर पर साध्वी प्रीति सुधा ने कहा कि मेरे जीवन के निर्माता गुरुदेव मिश्रीमल जी के चरणों में कोटि-कोटि वंदन देश में भटके श्रावक जन्म जयंती मनाने पहुंचे हैं, सब गुरुदेव की आशीर्वाद, आंखों मैं अगर उड़ान है तो आसमान दूर नहीं शिखर में न्याय से पाया मरुधर केसरी तुमसे दूर नहीं जरा जोर से बोलो जय करें तुम सभी बोलो जयकारा तुम दोनों हाथ उठा कर बोलो जय गुरु मिश्री का जयकारा, यहां फिल्म निर्माता कैसी बोकाडिया बैठे हैं जिनकी फिल्म के शुरू होने से पहले गुरुदेव मिश्रीमल जी का फोटो आता है, जैतारण पावन धाम के अध्यक्ष कैसी बोकाडिया ने कहा कि आज में जो कुछ भी हूं गुरुदेव के पीछे हूं, पाली सघ ने सुंदर व्यवस्था की उनको साधुवाद केवल चंद्र जी धोका, पदमचंद ललवानी गुरुदेव के भक्त ऐसे हैं पारसमल जी धनपत जी चोपड़ा जो चौका चलाते हैं सभी लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करते हैं सुंदर व्यवस्था है पाली की मैं भी एक संस्कार सीरियल बना रहा हूं जिससे मैं धर्म का ज्ञान मिलेगा वहीं अंतिम भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर मेरा पुत्र राजेश बोकाडिया बनाएगा, उसके बाद में संन्यास ले लूंगा और गुरु चरण में रहूंगा, बाद में गुरुदेव सुकन मुनि में भी सभी को आशीर्वाद दिया, इससे पूर्व सुबह लाभार्थी लोगों को वर घोड़े के रूप में पंडाल में लाया गया वही 41 उपवास पूरे करने वाले राजेंद्र बाठीया का गुरुदेव ने आशीर्वाद दिया, उनका संघ की ओर से बहुमान किया गया, पूज्य गुरुदेव मिश्रीमल जी व रुपमुनी जी महाराज के सात दिवसीय आयोजन में श्री मरुधर केसरी मित्र मंडल के अध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, मंत्री सज्जन राज गुलेच्छा व मण्डल के सभी सदस्यों का पूरा सहयोग रहा कार्यक्रम के पश्चात गौतम प्रसादी का भी आयोजन हुआ जिसके लाभार्थी श्रीमती बादल कर धर्मपत्नी भी कमचंद जी, नवरत्न मल कमलेश कुमार, विशाल, प्रियंक पगारिया परिवार घर वाला जाव पाली थे ।

रक्षाबन्धन एक हिन्दू त्यौहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है।

रक्षाबंधन अटूट विश्वास का बंधन

हम सभी सामाजिक प्राणी है, जो एक–दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्वेच्छा से रिश्तों के बंधन में बंधते है। ये बंधन हमारी स्वतंत्रता का हनन करने वाले बंधन नहीं अपितु प्रेम के बंधन होते हैं, जिसे हम जिंदादिली से जीते और स्वीकारते हैं।

हमारे समाज में हर रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह आदमी और औरत के भी कई रिश्ते हो सकते हैं, मगर उन रिश्तों में सबसे प्यार रिश्ता भाई–बहन का रिश्ता होता है। यह रिश्ता हर रिश्ते से मीठा और प्यारा रिश्ता होता है क्योंकि इस रिश्ते में मिठास भरता है भाई–बहन का एक–दूसरे के प्रति प्रेम व विश्वास। यह विश्वास प्रतीक रूप में भले ही रेशम की कच्ची डोर से बँधा होता है परंतु दोनों के मन की भावनाएँ प्रेम की एक पक्की डोर से बँधी रहती है, जो रिश्तों की हर डोर से मजबूत डोर होती है। यही प्रेम रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी लाड़ली बहन के पास खीच लाता है। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि हमारी परंपराओं का प्रतीक है, जो आज भी हमें अपने परिवार व संस्कारों से जोड़े रखे हैं। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का दिन है, जिसमें भाई हर दुख–तकलीफ में अपनी बहन का साथ निभाने का वचन देता है। यही वह वचन है, जो आज के दौर में भी भाई–बहन को विश्वास के बँधन से जोड़े हुए है।

यही वह त्योहार है, जिसे बहन अपने घर अर्थात अपने मायके में मनाती है। तभी तो हर रक्षाबंधन पर बहन जितनी बेसब्री से अपने भाई के आने का इंतजार करती है उतनी ही शिद्दत से भाई भी अपनी बहन से मिलकर उसका हालचाल जानने को उसके पास खिंचा चला आता है और भाई और बहन का मिलन होता है, तब सारे गिले–शिकवे दूर होकर माहौल में बस हँसी–ठिठौली के स्वर ही गुँजायमान होते हैं, जो खुशियों का पर्याय होते हैं। आप भी इस त्योहार को प्यार के साथ बनाएँ तथा इस दिन अपनी बहन को उसकी खुशियाँ उपहारस्वरूप दें। याद रखें यह रिश्ता, जितना मजबूत और प्यारा रिश्ता है उतना ही कमजोर भी इसलिए रिश्ते की इस डोर को सदैव मजबूती से थामे रखें।

सात वचन से बँधी सात राखियाँ

यह भारत में ही संभव है कि एक महीन रेशम डोरी से दिल की अनंत गहराइयों में छुपा प्यार अभिव्यक्त हो सकें। भाई और बहन के अनमोल रिश्ते को समर्पित यह त्योहार मन में उमंग की सुरीली घंटियाँ बजा देता है। यूँ भी सावन मास सौन्दर्य का भीना मौसम माना गया है। यह मौसम साज–श्रृंगार और प्यार–अनुराग की कलाभिव्यक्तियों से आपुरित होता है। यही वजह है कि कलाई पर बँधने वाली राखी का सौन्दर्य रिश्ते की सादगी पर जीत जाता है। इस मोहक मनभावन त्योहार पर इस बार बाँधें कुछ ऐसी राखियों को जो हर भाई–बहन के जीवन जीने का अंदाज बदल दें – यह राखी है प्यार, विश्वास, साथ, मुस्कान, सम्मान, स्वतंत्रता और क्षमा की।

प्यार की राखी– यह राखी सलमा–सितारें और मोतियों से नहीं सजी है। यह राखी, अपने मन के आँगन में खिलने वाले प्यार के मासूम फूल से बनी है। इसे बाँधने और बँधाने की यही शर्त है कि बहन और भाई दोनों यह कसम खाए कि उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा। हर मौसम, हर समय, हर परिस्थिति में उनके प्यार का फूल तरोताजा रहेगा। चाहे बहन पराए आँगन की तुलसी बन जाए, चाहे रूनझुन पायल छनकाती दुल्हन, भाई ले आए। रिश्तों का सौन्दर्य और सादगी बनी रहे, बची रहे। दिल की गहराई में बसा प्यार निरंतर बढ़ता रहे, फलता–फूलता रहे। यह राखी इस मंगल त्योहार पर यही कसम चाहती है। दोनों के बीच महकते प्यार का फूल पैसों की तपिश से कभी ना मुरझा पाए।

विश्वास की राखी – यह राखी बड़ी महीन लेकिन मजबूत डोरी से बनी है। इस राखी की यही शर्त है कि विश्वास की रेशम डोर दुनिया के ताने–बाने में कभी ना उलझ पाए। यानी हर हाल में भाई का बहन के प्रति और बहन का भाई के प्रति विश्वास बरकरार रहे। इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि दोनों एक–दूसरे के प्रति विश्वास को टूटने नहीं देंगे। अकारण एकदूजे पर अविश्वास की काली परत चढ़ने नहीं देंगे। अगर किसी एक से विश्वास की दीवार चटकती भी है तो उसकी परिस्थिति को उदार मन से समझने का प्रयास करेंगे। इस राखी को बाँधते हुए कसम लें कि एकदूजे का विश्वास बनेंगेऔर उसे संजोए रखेंगे।

साथ की राखी – चाहे सारी दुनिया तुम्हारे विरुद्ध हो तुम्हारा भाई हमेशा तुम्हारे साथ है। यह अटूट सहारा देते शब्द सच्चे मन से हर बहन के अन्तर्मन में बैठे होने चाहिए। उसका यह भाव कि मेरा भाई है ना, और भाई का यह अहसास कि मेरी बहन सब संभाल लेगी,हर हाल में कायम रहे यही इस राखी को बाँधने की कोमल शर्त है। इस दुनिया में माँ और पिता के बाद भाई ही तो सच्चा निस्वार्थ साथ दे सकता है। देश का हर भाई अपनी बहन के साथ रहे एक अहसास बन कर, एक विश्वास बन कर तभी इस राखी की सार्थकता है।

रेशम डोरी में गूँथा प्यार

- छत की सीढ़ियों पर रूठकर बैठी एक नन्ही बहना। उसके इस रूठने से सबसे ज्यादा व्यथित अगर कोई है तो वह है उसका भाई। भोजन की थाली लेकर उसके पास जाने वाला पहला व्यक्ति होता है, उसका भाई।
- स्कूल से अपनी बहन को लेकर आता एक छोटा–सा भाई। भाई के छोटे लेकिन सुरक्षित हाथों में जब बहन का कोमल हाथ आता है तब देखने योग्य होता है, भाई के चेहरे से झलकता दायित्व बोध, उठते हुए कदमों में बरती जाने वाली सजगता और कच्ची–कच्ची परेशान आँखें। घर पर जो बहन भाई से ठुनकी–ठुनकी रहती होगी, बीच राह पर वही भोली–सी हिरनी हो जाती है।
- बच्चों का एक झुंड। खेल में मशगूल। तभी सबको लगी प्यास। भाई ने हमेशा की तरह छोटी बहन को आदेश दिया। नन्हे हाथों में जग और गिलास पकड़े टेढ़ी–मेढ़ी चाल से धीरे–धीरे आती है बहन और...और... धड़ाम!! सबके सामने भाई को मिली फटकार। बहन ने कोहनी छुपाते हुए, आँसुओं को रोकते हुए कहा – भाई ने नहीं भेजा था, मैं खुद गई थी पानी लेने।
- कक्षा पहली की नन्ही छात्रा अनुष्का को प्रिंसिपल ने ऑफिस में बुलाकर कहा – तुम्हारा छोटा भाई आशु क्लास में सो गया है उसे अपनी क्लास में ले जाओ...! अनुष्का की गोद में सोया है आशू और वह बोर्ड पर से सवाल उतार रही है।
- दूसरी की छात्रा श्रुति रोते हुए अपने बड़े भाई श्रेयस के पास पहुँची। कक्षा के बच्चे उसके नाम का मजाक उड़ाते हैं। उसे सूती कपड़ा कहते हैं। तीसरी कक्षा के बहादुर भाई ने कहा – छुट्‌टी के बाद सबके नाम बताना, सबको ठीक कर दूँगा। श्रुति आश्वस्त है अब। छुट्‌टी होने पर श्रेयस ने रोक लिया सब चिढ़ाने वाले बच्चों को। पहले तो बस्ते से धमाधम मारा–पीटी, फिर सब पर स्याही छिड़ककर बहन का हाथ पकड़कर भाग आया भाई। बहन खुश है, भाई ने बदला ले लिया। कल की कल देखेंगे।
- पहली बार कॉलेज जा रही थी बहन। भाई ने बाइक पर बैठाया और रास्ते में कहा – तू कब बड़ी हो गई मुझे तो वहीं दो चोटी वाली बस्ता घसीटकर चलने वाली और चॉक खाने वाली याद है। इतनी जल्दी तू बड़ी हो गई, पता ही नहीं चला।
- बहन बिदा हो रही थी लेकिन भाई धर्मशाला जल्दी खाली करने की चिंता में व्यंजनों के कढ़ाव – तपेले आदि उठा–उठा कर रख रहा था। बहन ने सुबकते हुए भाई को याद किया। भाई ने सब्जी–दाल से सने हाथों से ही बहन को गले लगा लिया।

बहन ने अपनी कीमती साड़ी को आज तक ड्रायक्लीन नहीं करवाया। वह कहती है, जब भी उस साड़ी पर सब्जी के धब्बे देखती हूँ। भाई का वह अस्त–व्यस्त रूप याद आ जाता है , मेरी शादी में कितना काम किया था भाई ने। भाई और बहन का रिश्ता मिश्री की तरह मीठा और मखमल की तरह मुलायम होता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई–बहन के इसी पावन रिश्ते को समर्पित है। इसी त्योहार पर इस रिश्ते की मोहक अनुभूति को सघनता से अभिव्यक्त किया जाता है।

भारत में यदि आज भी संवेदना, अनुभूति, आत्मीयता, आस्था और अनुराग बरकरार है तो इसकी पृष्ठभूमि में इन त्योहारों का बहुत बड़ा योगदान है। जो लंबी डगर पर चिलचिलाती प्रचंड धूप में हरे–भरे वृक्ष के समान खड़े हैं। जिसकी घनी छाँव में कुछ लम्हें बैठकर व्यक्ति संघर्ष पथ पर उभर आए स्वेद बिंदुओं को सुखा सके और फिर एक शुभ मुस्कान को चेहरे पर सजाकर चल पड़े जिंदगी की कठिन राहों पर, जूझने के लिए।

रक्षाबंधन के शुभ पर्व पर बहनें अपने भाई से यह वचन चाहती हैं कि आने वाले दिनों में किसी बहन के तन से वस्त्र न खींचा जाए फिर कोई बहन दहेज के लिए जिंदा न जलाई जाए, फिर किसी बहन का अपहरण ना हो और फिर किसी बहन के चेहरे पर तेजाब न फेंका जाए। यह त्योहार तभी सही मायनों में खूबसूरत होगा जब बहन का सम्मान और भाई का चरित्र दोनों कायम रहे। यह रेशमी धागा सिर्फ धागा नहीं है। राखी की इस महीन डोरी में विश्वास, सहारा और प्यार गुंफित हैं और कलाई पर बँधकर यह डोरी प्रतिदान में भी यही तीन अनुभूतियाँ चाहती हैं। पैसा, उपहार, आभूषण, कपड़े तो कभी भी, किसी भी समय लिए–दिए जा सकते हैं लेकिन इन तीन मनोभावों के लेन–देन का तो यही एक पर्व है – रक्षाबंधन!

क्या इस बार भाजपा के पुराने पार्षद नही बनेगे महापौर का चेहरा

महापौर के लिए भाजपा लगा सकती है नए चेहरे पर दाव,पूर्व पार्षदों के दावे होगे फेल

पिछले चुनाव में भाजपा पार्षदों ने की क्रास वोटिंग से भाजपा बोर्ड बनाने से चूकी

राजस्थान दर्शन

अलवर। घनश्याम जादौन। महापोर के सपने सजोए चुनाव मैदान में स्वयं या अपने परिवार के लोगों को चुनाव मैदान में उतार रहे भाजपा के पूर्व पार्षदों के सपने हो सकते है चकनाचूर भाजपा पिछले पार्षद व उनके परिवार के विजयी होने वाले प्रत्याषी को महापोर नही बनाएगी। भाजपा नए चेहरे पर दाव लगा सकती है। हो सकता है भाजपा पिछले पार्षदों को टिकट से ही वंचित कर पार्षदों को चौका भी सकती है। भाजपा में टिकट की मांग को लेकर मची होड को देखते हुए भाजपा टिकट वितरण देरी कर सकती है वह अंतिम समय में टिकट वितरण करेगी ताकि टिकट की आस लेकर बैठै प्रत्याषी अपना विरोध दर्ज ना करा सके।इधर भाजपा के सूत्रों के अनुसार पिछली बार नगर परिषद चुनाव जब भाजपा पार्षदों की तरफ से क्रोस वाटिंग की गई थी और भाजपा के हाथ से बोर्ड खिसक गया था इसका अंदाजा भाजपा को है और पिछले सभी उन भाजपा पार्षद जिन्होंने क्रोस वाटिंग की वे भाजपा के रेडार पर है। अलवर नगर निगम चुनाव में मेयर पद को लेकर भाजपा की रणनीति में नया मोड़ आ गया है। क्रॉस वोटिंग करने वाले पार्षदों को मेयर की दौड़ से बाहर माना जा रहा है, जिसके बाद पार्टी के सामने अब सिर्फ दो प्रमुख विकल्प बचे हैं। किसी नए चेहरे पर दांव लगाना या फिर किसी पिछली बार चुनाव हारे अनुभवी पुराने चेहरे को एक बार फिर मैदान में उतारकर मौका दिया जाए। अब पार्टी नेतृत्व दोनों विकल्पों पर मंथन कर अंतिम फैसला करेगा। दरअसल, बीजेपी इस बार हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। पिछले चुनाव में बहुमत के बावजूद मिली करारी हार से करीब-करीब यह तय है कि पिछली बार क्रॉस वोटिंग का शक झेल रहे पार्षदों को मेयर की दौड़ से पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। पिछले सभापति के चुनाव के दौरान एक ऑडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें पैसे के लेन-देन का भी जिक्र आया था। उससे अनुमान है कि निगम के मेयर केचुनाव में मोटा पैसा भी खर्च होता है। साल 2019 के नगर परिषद चुनाव में भाजपा के 27 और कांग्रेस के 19 पार्षद जीतकर आए थे, जबकि 19 निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे। लगभग आधे निर्दलीय पार्षदों का समर्थन भी भाजपा के साथ था। इसके बावजूद भाजपा के मेयर प्रत्याशी धीरज जैन 9 वोटों से चुनाव हार गए थे। कुल 65 वार्डों में से कांग्रेस प्रत्याशी बीना गुप्ता 37 और बीजेपी के प्रत्याशी धीरज जैन को 28 वोट ही मिले थे। पार्टी के ही 8 से 10 पार्षदों ने सेंधमारी करते हुए कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी थी, जिससे मोटा खर्च और स्पष्ट जनादेश होने के बावजूद भाजपा के हाथ से सीट निकल गई थी। हार के बाद जांच समिति और बड़े नेताओं को संदिग्ध पार्षदों के नाम भेजे गए थे। हालांकि, वे नाम सार्वजनिक नहीं हुए, लेकिन वे सभी चेहरे अब संगठन की सूची (रडार) में हैं। भाजपा के दिग्गज नेताओं के सामने इस बार दो बड़ी चुनौतियां हैं। जिन पार्षदों ने पिछली बार अपनी ही पार्टी को धोबीपछाड़ दी थी, उन्हें इस बार मेयर का टिकट मिलना बहुत मुश्किल है। अगर क्रॉस वोटिंग वाले चेहरों में से किसी को टिकट दिया गया, तो पिछली बार हराए गए खेमे के पार्षद दोबारा बगावत कर सकते हैं। वहीं, टिकट कटने पर भी भीतरघात की संभावना बनी रहेगी। पार्टी की प्राथमिकता एक ऐसा निर्विवाद चेहरा लाने की है, जिसके साथ ज्यादा से ज्यादा पार्षद एकजुट हो सकें। ऐसे में या तो किसी नए और निष्ठावान पार्षद को आगे किया जाएगा, या फिर पिछले प्रत्याशी को दोबारा मौका देकर पुरानी हार का हिसाब चुकता करने का दांव खेला जा सकता है।

कांग्रेस के भीष्म पितामह पूर्व विधायक महेंद्र-शास्त्री का 95 साल की उम्र में निधन

राजस्थान दर्शन

अलवर। अलवर के दिग्गज नेता, कवि एवं साहित्यकार पूर्व विधायक महेंद्र शास्त्री का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से अलवर के मोती डूंगरी स्थित निवास पर रह रहे थे। आज शाम भूरा सिद्ध में उन्हें अंतिम विदाई दी। महेंद्र शास्त्री ने 1985 लोकदल के टिकट पर मुंडावर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। इस दौरान उन्होंने 25,520 मत प्राप्त कर कांग्रेस प्रत्याशी जसवंत सिंह को 2,224 मतों से हराया था। शास्त्री 80 साल की उम्र तक सक्रिय राजनीति में रहे और क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई। वह अपने प्रखर वाक् कौशल और जनसंपर्क के लिए जाने जाते थे। शास्त्री का परिवार भी जनसेवा में सक्रिय रहा है। उनके बेटे लंबे समय तक अलवर सहकारिता क्षेत्र में अध्यक्ष पद पर रहे। राजनीति को लेकर उनकी पकड़ अच्छी रही है। कब कहां किसी पार्टी में बड़ा फेरबदल हो सकता है। यह शास्त्री अपने समय में अच्छे से समझ जाते थे। इस कारण दूसरे नेता भी उनसे मार्गदर्शन लेते रहे है महेंद्र शास्त्री की पहचान कांग्रेस के पुराने और गहरे जानकार नेताओं में होती थी। पार्टी के भीतर उन्हें वरिष्ठ मार्गदर्शक और 'भीष्म पितामह' के रूप में सम्मान मिलता था। शास्त्री अपने बेबाक और स्पष्ट अंदाज के लिए भी जाने जाते थे। उनके बारे में कहा जाता था कि उनकी बोली सटीक थी और जो बात बोल देते थे, उस पर कायम रहते थे। उन्होंने यादों की महक, चलते - चलते कहा आ गए, मानव मन अकथ कहानी सहित कई किताबें भी लिखी। सहकारिता के क्षेत्र में योगदान के चलते उन्हें सहकारितारत्न के सम्मान से भी नवाजा गया था।

नगर निकाय चुनाव : 31 अगस्त तक नामांकन पत्र किए जाएंगे प्रस्तुत

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक लिए जाएंगे नामांकन

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में आगामी नगर निकाय चुनाव के तहत 10 नगर पालिकाओं एवं भीलवाड़ा नगर निगम में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार नामांकन प्रक्रिया के तहत 31 अगस्त तक सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित स्थानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि भीलवाड़ा नगर निगम के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित संबंधित कक्ष में नामांकन पत्र लिए जाएंगे। बीगोद नगर पालिका के भारत निर्माण सेवा केंद्र बीगोद में तथा शेष नगर पालिकाओं के लिए संबंधित नगर पालिका मुख्यालय स्थित उपखंड कार्यालय में नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित समय-सीमा की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए तथा अभ्यर्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

नेपाल में आकस्मिक बाढ़ के बाद जिला प्रशासन सतर्क, जिलेवासियों की कुशलक्षेम के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 26 अगस्त 2026 को भोटेकोशी नदी में आई आकस्मिक बाढ़ के कारण पर्यटकों एवं यात्रियों के प्रभावित होने तथा लापता होने की स्थिति को देखते हुए, नेपाल भ्रमण पर गए जिले के नागरिकों के संबंध में उनके परिजनों को आवश्यक सहायता एवं जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष सक्रिय किया गया है। जिले के ऐसे नागरिकों के परिजन, जिनका कोई परिवारजन नेपाल भ्रमण पर गया हुआ है तथा वर्तमान में उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है अथवा उसके नेपाल में फंसे या प्रभावित होने की आशंका है, वे संबंधित व्यक्ति की जानकारी, जैसे नाम, पता, मोबाइल नंबर, नेपाल में संभावित स्थान, यात्रा/टूर ऑपरेटर का विवरण आदि, जिला नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध करा सकते हैं। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिला आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस संबंध में सूचना एवं सहायता के लिए जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 01482-232671 तथा ई-मेल reliefb-hilwaravwxy@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के सहायता केन्द्र की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1070 एवं 112 तथा दूरभाष नंबर 0141-2851960, 0141-2385776, 0141-2385777, 0141-2227296, 0141-2927392 एवं 0141-2227603, IP नंबर 28888 और ई-मेल relief-rj@nic.in पर भी आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित नागरिकों के परिजनों से अपील की गई है कि यदि नेपाल भ्रमण पर गए उनके परिवारजन से संपर्क नहीं हो पा रहा है अथवा उनके नेपाल में फंसे या प्रभावित होने की आशंका है, तो उपलब्ध जानकारी संबंधित नियंत्रण कक्ष को शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यक सहायता एवं जानकारी उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके।

श्रावण पूर्णाहुति पर 29 अगस्त को ब्राह्मण भोज, जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को धार्मिक आयोजन और 5 सितंबर को महाप्रसाद

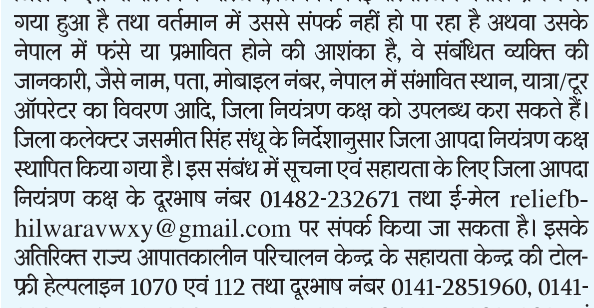

राजस्थान दर्शन

कोटा। सती चबूतरा स्थित मंदिर श्री चारभुजा जी एवं गोविंद देवी जी माहेश्वरी समाज की धार्मिक आस्था के साथ उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का भी प्रमुख केंद्र है। पंचायत अध्यक्ष के जी जाखेटिया ने बताया कि यहां भगवान महेश की आराधना और सामूहिक धार्मिक अनुष्ठानों की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। इसी क्रम में प्रतिवर्ष श्रावण मास में भगवान शिव की विशेष आराधना की जाती है। श्रावण मास की पूर्णाहुति पर 29 अगस्त 2026, शनिवार को ब्राह्मण भोज आयोजित किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला रहेंगे। मंत्री राम चरण धूत ने बताया कि ने बताया कि इसके बाद भाद्रपद मास में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। धार्मिक कार्यक्रमों के बाद 5 सितंबर 2026, शनिवार को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में आयोजित हुआ 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत केंद्र तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थानीय इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की थीम 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात PM के साथ' रही। इसका उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक करना, उपलब्ध खेल सुविधाओं की जानकारी देना तथा उन्हें खेल गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की प्रस्तावना माय भारत केंद्र की युवा आइकॉन खुशी शर्मा ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी श्री हेमेन्द्र सिंह राणावत ने जिले में उपलब्ध खेल सुविधाओं एवं संसाधनों की जानकारी देते हुए युवाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण से भारोत्तोलन में राष्ट्रीय युवा स्वर्ण पदक प्राप्त श्री उपेन्द्र सिंह ने खेल सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए युवाओं से उपलब्ध अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बी. एल. जागेटिया ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली एवं खेल संस्कृति से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने खेल सुविधाओं एवं गतिविधियों को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए। संचालन विद्यार्थी युवराज सिंह ने किया, जबकि माय भारत के श्री जगदीश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के हृष्टष्ट, हृस्स, स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थीगण, संकाय सदस्य एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मकराना नगर परिषद के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ उपखंड कार्यालय पहुंचने लगे

नगर निकाय चुनाव के तहत मकराना व बोरावड़ में नामांकन प्रक्रिया शुरू,

मकराना नगर परिषद के 60 वार्डों के लिए 12 व बोरावड नगर पालिका के 25 वार्डों के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन किए दाखिल

राजस्थान दर्शन

मकराना में नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवारों से नामांकन पत्र लिए गए। नामांकन दाखिल करने के लिए सुबह से ही मकराना नगर परिषद के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ उपखंड कार्यालय पहुंचने लगे। जबकि बोरावड नगर पालिका के प्रत्यासी बोरावड नगर पालिका कार्यालय पहुंचे हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सुरक्षा व्यवस्था के तहत उपखंड कार्यालय के बाहर तीन लेयर की बेरिकेडिंग की गई। कार्यालय से करीब 200 मीटर पहले ही समर्थकों और भीड़ को रोक दिया गया। केवल उम्मीदवार और उसके प्रस्तावक को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई। नामांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशासन की ओर से उपखंड कार्यालय के बाहर ही फॉर्म जांचने के लिए काउंटर बनाए गए। यहां कर्मचारियों ने उम्मीदवारों के नामांकन पत्र और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर उम्मीदवारों को मौके पर ही उसे पूरा करने का अवसर दिया गया। मकराना नगर परिषद के नामांकन पत्र वार्ड संख्या 1 से 30 तक के लिए उपखंड कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर लाखन सिंह गुर्जर व वार्ड संख्या 31 से 60 तक के लिए तहसील कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी रामस्वरूप मीणा के समक्ष कुल 12 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। वही नगर पालिका बोरावड के 25 वार्डों के लिए नगर पालिका कार्यालय बोरावड में रिटर्निंग अधिकारी मकराना उपखंड अधिकारी बाबूलाल जाट के समक्ष दो आवेदन पत्र दाखिल किए गए हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान उपखंड कार्यालय परिसर में अनावश्यक भीड़ नहीं होने दी गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। बेरिकेडिंग के कारण उम्मीदवारों के समर्थकों को कार्यालय के बाहर ही रोक दिया गया, जिससे नामांकन स्थल पर व्यवस्था बनी रही।

मालाखेडा में 7 दिन से सफाई व्यवस्था ठप्प होने बढा बीमारी का खतरा

अधिकारियों ने चुनावी समस्या बता कर पल्ला झाडा क्या यहा सफाई कर्मी भी लगे है चुनावी इ्यूटी निमाने में..,,?

राजस्थान दर्शन

अलवर। अधिकारियों की लाल फीताशाही का नजारा मालाखेडा में देखने को मिला है जहां करीब सात दिन से सफाई व्यवस्था ठप्प पडी हुई है कस्बावासियों ने जब अधिकारियों से इस बाबत शिकायत की तो उन्हें चौकाने वाला जवाब मिला कि चुनाव व्यवस्था के कारण सफाई नही हो पाई अब सोचने वाली बात यह है कि क्या चुनावी डयूटी पर सफाई कर्मी और जमादार भी लगे हुए है। मालाखेड़ा नगर पालिका क्षेत्र में पिछले सात दिनों से सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। कस्बे में जगह-जगह कचरे के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं। रक्षाबंधन जैसे प्रमुख त्योहार पर भी मुख्य रास्तों और आबादी वाले क्षेत्रों में गंदगी दिखाई दे रही है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष है और बीमारियों के फैलने का डर बना हुआ है। कस्बेवासियों का कहना है कि नगर पालिका बनने के बाद उन्हें बेहतर सफाई की उम्मीद थी, लेकिन मौजूदा हालात इसके विपरीत हैं। कई स्थानों पर कचरा कई दिनों से पड़ा है, जिसके आसपास आवारा पशुओं का जमावड़ा रहता है। इससे राहगीरों और दुकानदारों को भारी परेशानी हो रही है। लोगों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर बाजार और कस्बे में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने से लोगों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय निवासियों, जिनमें राहुल कुमार, अशोक, राजेश शर्मा और मुकेश जाटव शामिल हैं, ने बताया कि त्योहारों से पहले विशेष सफाई अभियान चलाया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सफाई व्यवस्था को लेकर जब नगर पालिका अधिकारी से बात की गई, तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। अधिकारी ने कहा कि जहां गंदगी है, वहां सफाई करवा दी जाएगी। उन्होंने अपनी व्यस्तता का कारण चुनावी व्यवस्था बताया और मामले से पल्ला झाड़ लिया, जिससे कस्बेवासियों की नाराजगी और बढ़ गई।

भाजपा को लग सकता है झटका पूर्व पार्षद ने निर्दलीय नामांकन भरा

वार्ड 11 से पूर्व पार्षद देवेंद्र रसगनिया ने भरा फॉर्म; कहा-टिकट नहीं दिया तो निर्दलीय लडूंगा चुनाव

राजस्थान दर्शन

अलवर। अलवर नगर निकाय चुनाव को लेकर अलवर में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने के लिए मिनी सचिवालय में वार्डवार अलग-अलग कमरे निर्धारित किए गए हैं। वार्ड नंबर 1 से 13 तक के प्रत्याशी कमरा नंबर 17 से नामांकन फॉर्म लेकर वहीं जमा कर सकते हैं। वार्ड 14 से 26 तक के लिए कमरा नंबर 32, वार्ड 27 से 39 के लिए कमरा नंबर 83, वार्ड 40 से 52 के लिए कमरा नंबर 66 तथा वार्ड 53 से 65 तक के लिए कमरा नंबर 78 निर्धारित किया गया है। इधर, शहर के एससी रिजर्व वार्ड नंबर 11 से पूर्व पार्षद देवेंद्र रसगनिया ने नामांकन दाखिल कर चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने नामांकन फॉर्म में भाजपा और निर्दलीय दोनों विकल्प भरे हैं। देवेंद्र रसगनिया का कहना है कि भाजपा यदि उन्हें टिकट देती है तो वे पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे, अन्यथा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगे। देवेंद्र पिछला नगर निकाय चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीतकर पार्षद बने थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। इस बार वे वार्ड 11 से भाजपा का टिकट मांग रहे हैं। भाजपा की सूची जारी होने से पहले ही उन्होंने नामांकन दाखिल कर दिया। उनका कहना है कि 27 अगस्त का उन्होंने मुहूर्त निकलवा रखा था, इसलिए पार्टी की सूची का इंतजार किए बिना नामांकन दाखिल किया है। वहीं, वार्ड नंबर 50 से भी एक महिला प्रत्याशी ललिता देवी ने निर्दलीय के रूप में नामांकन फॉर्म दाखिल किया है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनावी मैदान में दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है।

पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक व सामूहिक गौठ का आयोजन

राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। राजस्थान पेंशनर्स समाज उप शाखा कुचामन सिटी की मासिक बैठक व सामूहिक गौठ का आयोजन गुरुवार को जीवन सिंह राठौड़ की अध्यक्षता व भागूराम पौड़ के मुख्य आतिथ्य में स्काई वर्ल्ड रिजॉर्ट में किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष गोकुल चंद वैष्णव, जिला संगठन मंत्री सुरेश गौड़, संरक्षक हुकमराज कुमावत, कोषाध्यक्ष बाबूलाल जांगिड़, मंत्री नंदकिशोर टेलर, श्रीवल्लभ तिवाड़ी, बंसीलाल जांगिड़ चांदमल शर्मा बनवारी लाल, विजय कौर तथा प्रेमलता चौधरी सहित 92 पेंशनर्स उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष बाबूलाल जांगिड़ ने बताया कि बैठक में संगीतज्ञ विनोद आचार्य, भानु औदिच्य, प्रदीप आचार्य, चांदमल शर्मा, रामलाल कसोटिया, प्रकाश टेलर, भागीरथ मल, चिरंजीलाल खींची, सूरज किरण, मंजू कविया सहित कई गायको ने अपनी प्रस्तुतियां दी। श्रीबल्लभ तिवारी ने वरिष्ठ पेंशनर्स साथियों को विभिन्न प्रकार के खेल म्यूजिकल चेयर, चम्मच दौड़, माचिस की तिलिया जमाना जैसे खेल खिलाएं तथा उन्हें पुरस्कार वितरण किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कौशल्या देवी, मंजू कविया, हुकमराज कुमावत, कपिल देव, कैलाश चंद, श्रीवल्लभ तिवारी, विजय कौर, प्रेमलता चौधरी, नंदकिशोर टेलर, प्रदीप आचार्य, प्रकाश टेलर व कैलाश मोहनपुरिया विजयी रहे। आयोजित बैठक में नए सदस्य चिरंजीलाल खींची, पोकर राम, भगत सिंह,रुघाराम व बलदेव राम का माला व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। बैठक के समापन पर अध्यक्ष जीवन सिंह राठौड़ ने भागूराम पौड़ व सभी संभागियों का आभार व्यक्त किया।

खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। जिले के श्रीप्रताप सिंह बारहट राजकीय महाविद्यालय, शाहपुरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दिगविजय सिंह ने माय भारत पोर्टल की जानकारी देकर की। इस दौरान विद्यार्थियों को लाइव खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम दिखाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने की, जबकि संचालन प्रो. मूलचंद खटीक ने किया। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स आइकॉन एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अंकित मीणा ने स्विमिंग से होने वाले मानसिक एवं शारीरिक विकास के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इन्हें शरीर एवं आत्मा के विकास का माध्यम बताया। कार्यक्रम के समापन पर नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्थानीय खेल रस्साकशी का आयोजन किया गया। छात्र वर्ग में भगत सिंह टीम एवं चंद्रशेखर आजाद टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें भगत सिंह टीम विजेता रही। विजेता टीम के सदस्यों में दिलीप सिंह, भगवान सिंह सैनी, रामदेव कीर एवं मनीष शामिल रहे।।छात्रा वर्ग में महारानी लक्ष्मीबाई एवं अहिल्याबाई होल्कर टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें लक्ष्मीबाई टीम विजेता रही। विजेता टीम की सदस्य पार्वती बलाई, निकिता चौहान, पूजा गुर्जर एवं खुशबू शर्मा रहीं। कार्यक्रम में माय भारत पोर्टल वॉलिंटियर मनसुख कुमावत सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए क्रैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी- 565- सी, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड, जयपुर- 302013 (राजस्थान) से मुद्रित एवं ए-11, प्रथम मंजिल, करधनी शोपिंग सेंटर, हरीमार्ग, मालवीय नगर, जयपुर- 302017 से प्रकाशित।
संपादकः कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rdnewsjaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा (* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)